राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........ 9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, मंगलवार, 16 जून 2026

वर्ष 14, अंक 67, पृष्ट 04, मूल्य: 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

लखनऊ के पूर्व डीएसपी शैलेंद्र सिंह ने बैल से बिजली बनाने का अनूठा मॉडल, एक रुपये प्रति यूनिट आ रही लागत...03

दल्ली दंगों की साज़िश मामले में उमर खालिद और शरजील इमाम ने फिर दायर की ज़मानत अर्ज़ी...04

क्या 2027 में साथ आएंगे अखिलेश और ओवैसी? यूपी में गठबंधन की अटकलें तेज

उत्तर प्रदेश में 2027 का विधानसभा चुनाव अभी भले दूर हो, लेकिन सियासी बिसात बिछनी शुरू हो चुकी है. इसी बीच AIMIM प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन की इच्छा जताकर नई बहस छेड़ दी है. सपा के राष्ट्रीय महासचिव रामगोपाल यादव ने भी कहा है कि भाजपा को हराने वाला जो भी होगा उसका हम स्वागत करेंगे. सवाल यह है कि क्या अखिलेश यादव ओवैसी को अपने साथ लाएंगे? और आखिर यूपी में मुस्लिम वोट बैंक इतना अहम क्यों माना जाता है? इन सारे सवालों का जवाब हम इस रिपोर्ट में जानेंगे. उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है. भाजपा लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी का सपना देख रही है, तो समाजवादी पार्टी 2027 में सरकार बनाने की तैयारी में जुटी है. ऐसे माहौल में छोटे और क्षेत्रीय दल भी अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं. इसी क्रम में बहराइच पहुंचे एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन की इच्छा जताते हुए गेंद अखिलेश यादव के पाले में डाल दी है. ओवैसी ने कहा है, 'अगर कोई बीजेपी को रोकने की कोशिश करता है मैं उनके साथ जुड़ने के लिए तैयार हूं.'

यूपी में AIMIM अबतक नहीं कर पाई है कमाल

असदुद्दीन ओवैसी का यह बयान ऐसे समय आया है जब विपक्षी राजनीति में मुस्लिम वोटों की भूमिका को लेकर नई रणनीतियां बन रही हैं. 2024 लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस गठबंधन को मुस्लिम मतदाताओं का बड़ा समर्थन मिला था, जिसका सीधा फायदा सीटों में दिखाई दिया. अब सवाल यह है कि क्या सपा उस वोट बैंक में AIMIM को हिस्सेदार बनाना चाहेगी? हालांकि, AIMIM का यूपी विधानसभा रिकॉर्ड अभी तक कमजोर रहा है. 2017 में 38 सीटों पर लड़कर 37 पर जमानत जब्त हुई. 2022 में करीब 100 सीटों पर लड़ने के बावजूद वोट शेयर महज 0.43% रहा. लेकिन, स्थानीय निकाय चुनावों में पार्टी ने बेहतर प्रदर्शन किया.

रामगोपाल ने किया स्वागत, लेकिन अखिलेश के सामने ये दिक्कत

असदुद्दीन ओवैसी के बयान पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव रामगोपाल यादव ने कहा है कि भाजपा को हराने वाला जो भी होगा, उसका स्वागत है, लेकिन सियासी जानकार मानते हैं कि अंतिम फैसला अखिलेश यादव को ही करना है. सपा की सबसे बड़ी चिंता यह है कि यदि ओवैसी गठबंधन में आते हैं तो एक वर्ग में सकारात्मक संदेश जा सकता है, लेकिन दूसरी ओर पार्टी की व्यापक सामाजिक गठबंधन की रणनीति प्रभावित भी हो सकती है. दरअसल, बीजेपी की कोशिश है कि चुनाव हिंदुत्व के मुद्दे पर हो, जबकि सपा चाहती है कि चुनाव का मुद्दा PDA (पिछड़ा, दलित, अगड़ा या अल्पसंख्यक) हो. ओवैसी के साथ आने के बाद अखिलेश को बीजेपी आसानी से घेर लेगी.

मुस्लिम वोटों के लिए सपा को AIMIM की जरूरत नहीं

उत्तर प्रदेश में मुस्लिम वोट बैंक बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है. राज्य की कुल आबादी में मुस्लिम समुदाय की हिस्सेदारी करीब 19 प्रतिशत के आसपास मानी जाती है, लेकिन कई जिलों और विधानसभा सीटों पर यह प्रतिशत 30 से 50 फीसदी तक पहुंच जाता है. राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार प्रदेश की 120 से ज्यादा विधानसभा सीटों पर मुस्लिम मतदाता चुनाव परिणाम को सीधे प्रभावित करने की स्थिति में रहते हैं. यही वजह है कि समाजवादी पार्टी लंबे समय से मुस्लिम-यादव समीकरण को अपनी राजनीतिक ताकत मानती रही है. ऐसे में अखिलेश जानते हैं कि मुस्लिमों का वोट उसे मिलेगा, जो बीजेपी को हराने में सक्षम होगा. इस स्थिति में फिलहाल यूपी में सपा ही मजबूत विकल्प है.

RLD और राजभर की पार्टी से गठबंधन है अखिलेश के लिए सीख

ओवैसी के प्रस्ताव पर सपा के भीतर उत्साह कम दिखाई देता है. पार्टी नेताओं का मानना है कि लोकसभा चुनाव के बाद सपा प्रदेश में मुख्य विपक्षी ताकत के रूप में उभरी है और अब वह अपने संगठन और पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) समीकरण के दम पर चुनाव लड़ना चाहती है. ऐसे में सीटों का बंटवारा कर छोटी पार्टियों को ज्यादा राजनीतिक महत्व देने के पक्ष में नेतृत्व नहीं दिख रहा है. सपा की इस सोच के पीछे पिछले गठबंधनों का अनुभव भी माना जा रहा है. पार्टी के भीतर अक्सर राष्ट्रीय लोकदल और सुभासपा जैसे उदाहरण दिए जाते हैं, जो अलग-अलग समय पर सपा के साथ रहे लेकिन बाद में भाजपा खेमे में चले गए. इसी वजह से सपा नेतृत्व को आशंका है कि चुनावी लाभ के लिए साथ आने वाली छोटी पार्टियां चुनाव बाद अपना राजनीतिक रास्ता बदल सकती हैं.

अखिलेश इसे अवसर मानते हैं या राजनीतिक जोखिम

अब सबकी नजर अखिलेश यादव पर है. क्या सपा AIMIMको साथ लेकर चलेगी या फिर 2024 की तरह कांग्रेस के साथ ही अपने गठबंधन को आगे बढ़ाएगी? इसका जवाब आने वाले महीनों में साफ होगा, लेकिन इतना तय है कि 2027 के चुनाव से पहले मुस्लिम वोट बैंक को लेकर राजनीतिक दलों की सक्रियता और बढ़ने वाली है. गौरतलब है कि यूपी की राजनीति में मुस्लिम वोट बैंक सिर्फ एक चुनावी आंकड़ा नहीं, बल्कि कई सीटों पर जीत-हार तय करने वाला फैक्टर माना जाता है. ऐसे में ओवैसी की इस पेशकश ने विपक्षी राजनीति के भीतर नई बहस छेड़ दी है. अब देखना होगा कि अखिलेश यादव इस प्रस्ताव को अवसर मानते हैं या राजनीतिक जोखिम.

चाइनीज मांझे से कटी गन्ना मंत्री संजय गंगवार के भतीजे की गर्दन, 3.5 घंटे चला ऑपरेशन; हालत नाजुक

उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में प्रतिबंध के बावजूद चाइनीज मांझा लोगों के लिए लगातार खतरा बना हुआ है. शहर के सबसे व्यस्त इलाकों में शामिल श्यामगंज फ्लाईओवर पर सोमवार को एक बड़ा हादसा हो गया. स्कूटी से जा रहा एक किशोर आदित्य वीर सिंह गंगवार (15) अचानक चाइनीज मांझे की चपेट में आ गया, जिससे उसकी गर्दन गंभीर रूप से कट गई. घायल आदित्य वीर सिंह, गन्ना मंत्री संजय गंगवार का भतीजा और ब्लॉक प्रमुख अजय सिंह गंगवार का बेटा है. घटना के बाद उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों की निगरानी में उसका इलाज चल रहा है.

फ्लाईओवर पर अचानक गले में फंसा मांझा

बताया जा रहा कि आदित्य वीर सिंह गंगवार सोमवार दोपहर के समय अपनी स्कूटी से स्टेडियम जा रहा था. जब वह श्यामगंज फ्लाईओवर पर पहुंचा तो अचानक हवा में लटक रहा चाइनीज मांझा उसके गले में आकर फंस गया. तेज रफ्तार में होने की वजह से मांझा गर्दन पर गहराई से लग गया और वह स्कूटी पर से संतुलन खो बैठा और सड़क पर गिर गया. मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत आदित्य को संभाला और परिवार को सूचना दी. कुछ ही देर में उसे अस्पताल पहुंचाया गया. हादसे की खबर फैलते ही इलाके के लोगों ने भी नाराजगी जताई और सवाल उठाया कि जब चाइनीज मांझे पर पहले से रोक है तो यह खुलेआम बाजार तक कैसे पहुंच रहा है. घटना की जानकारी मिलते ही गन्ना मंत्री संजय गंगवार भी पीलीभीत से तुरंत बरेली पहुंचे. अस्पताल पहुंचकर उन्होंने डॉक्टरों से इलाज की जानकारी ली और परिवार से मुलाकात की.

मंत्री ने प्रशासन पर उठाए सवाल

अस्पताल में बातचीत के दौरान मंत्री संजय गंगवार ने इस घटना पर दुख जताते हुए कहा कि सरकार ने पहले ही चाइनीज मांझे पर प्रतिबंध लगा रखा है, लेकिन इसके बावजूद इस तरह की घटनाएं होना चिंता की बात है. उन्होंने कहा कि इस मामले में प्रशासन से जवाब लिया जाएगा. मंत्री ने साफ कहा कि वह बरेली छ्वरूऔर स्स्क से बात करेंगे और यह जानेंगे कि प्रतिबंध के बावजूद शहर में चाइनीज मांझा कैसे बिक रहा है? उन्होंने यह भी कहा कि सर्किट हाउस में अधिकारियों के साथ बैठक कर इस पूरे मामले की समीक्षा की जाएगी. उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि पीलीभीत में इस तरह का मांझा आसानी से दिखाई नहीं देता, लेकिन बरेली में इसकी उपलब्धता चिंता बढ़ा रही है. ऐसे में जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई जरूरी है.

क्या बोले स्स्कअनुराग आर्य?

वहीं बरेली स्स्क अनुराग आर्य ने कहा कि पहले से चाइनीज मांझे के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है. अब इस घटना के बाद दोबारा अभियान तेज किया जाएगा. जहां भी प्रतिबंधित मांझा बिकता मिला, वहां कार्रवाई की जाएगी. वहीं अस्पताल के डॉ. कौशल कुमार ने बताया कि बच्चा बहुत गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया था. पतंग के मांझे से उसकी गर्दन, गाल, होंठ, कान और हाथ में गहरी चोट लगी थी और काफी खून बह चुका था.

3.5 घंटे चला ऑपरेशन

डॉक्टर ने बताया कि करीब साढ़े तीन घंटे ऑपरेशन करके सभी कटे हिस्सों में टांके लगाए गए. डॉक्टर ने कहा कि मांझे से कटने के ऐसे हादसे अब लगातार बढ़ रहे हैं और ये लोगों की जान से जुड़ा गंभीर मामला बनता जा रहा है. उन्होंने बताया कि पहले भी ऐसे कई गंभीर केस आ चुके हैं और इस पर गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है. वहीं घायल आदित्य की मां सीमा गंगवार ने कहा कि वह रेलवे में कार्यरत हैं. उनका बेटा आदित्य वीर सिंह गंगवार रोज की तरह रनिंग के लिए गया था. जब वह श्यामगंज पुल से गुजर रहा था, तभी चाइनीज मांझे की चपेट में आ गया. इस हादसे में उसे बहुत गंभीर चोट आई और तुरंत अस्पताल लाना पड़ा. उसका ऑपरेशन हो चुका है, लेकिन अभी तक उसे होश नहीं आया है.

संक्षिप्त ख़बरें

दिल्ली में शादी, राजस्थान में विवाद... ऑनर किलिंग के डर से सहमे कपल को SC की राहत

सुप्रीम कोर्ट ने ऑनर किलिंग के डर से इंटर-कास्ट कपल को फिर से सुरक्षा देने का आदेश दिया है. इसके अलावा, स्ष्ट ने राजस्थान हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी. हाई कोर्ट ने पहले महिला के पिता की दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका स्वीकार की थी. सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में राजस्थान सरकार और अन्य को नोटिस जारी किया. जस्टिस उज्जल भुइयां और अरुण पल्ली की बेंच ने कपल की याचिका पर यह आदेश दिया है. कोर्ट ने कहा कि ऐसे घटिया लोगों को बढ़ावा नहीं दिया जाना चाहिए. स्ष्ट ने कहा, 'वे कपल को परेशान कर रहे हैं, यह ठीक नहीं है.' सुप्रीम कोर्ट ने पहले भी उनकी सुरक्षा के लिए आदेश जारी किए थे. दरअसल, यह मामला इस साल मार्च का है, जब कपल ने दिल्ली में इंटर-कास्ट मैरिज की थी. उनकी शादी 23 मार्च 2026 को रजिस्टर हुई थी.30 अप्रैल को, जस्टिस बी.वी. नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुयान की बेंच ने उत्तर प्रदेश के अधिकारियों से यह भरोसा मिलने के बाद उनकी रिट पिटीशन का निपटारा कर दिया था कि बागपत में उनके ससुराल में पूरी सिक्योरिटी दी जाएगी, जहां वे शादी के बाद से रह रहे थे. उस ऑर्डर के बावजूद, महिला के पिता ने बाद में राजस्थान हाई कोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण पिटीशन फाइल की थी. हाई कोर्ट के याचिका स्वीकार करने के बाद कपल ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था.

अमित शाह का मास्टरप्लान और नितिन नबीन का दौरा... पंजाब फतह के लिए BJP ने झोंकी पूरी ताकत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पश्चिम बंगाल में राजनीतिक बढ़त हासिल करने के बाद अब बीजेपी का पूरा फोकस पंजाब पर दिखाई दे रहा है. 2027 विधानसभा चुनाव में अभी वक्त है, लेकिन बीजेपी ने अभी से संगठन और रणनीति दोनों मोर्चों पर अपनी पूरी ताकत झोंक दी है. पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन का पंजाब दौरा, अमित शाह की सीधी निगरानी और चुनावी मुद्दों की आक्रामक तैयारी ने साफ कर दिया है कि पंजाब अब बीजेपी के लिए अगला बड़ा राजनीतिक मिशन बन चुका है. पंजाब में बीजेपी की चुनावी तैयारियों का पहला बड़ा शंखनाद होने जा रहा है. पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन 20 से 22 जून तक पंजाब के दौरे पर रहेंगे. अमृतसर के गोल्डन टेंपल में मत्था टेकने के साथ ही वे संगठन की समीक्षा करेंगे और जिला से लेकर प्रदेश स्तर तक नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ मैराथन बैठकें करेंगे. लेकिन इस दौरे के पीछे की असली रणनीति दिल्ली में तैयार हो रही है. सूत्रों के मुताबिक केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पंजाब चुनाव की कमान खुद संभाल ली है. शाह लगातार पंजाब इकाई से सीधे फीडबैक ले रहे हैं और बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने का रोडमैप तैयार किया जा रहा है.

बीजेपी का इस बार इन इलाकों पर फोकस

बीजेपी का फोकस इस बार उन इलाकों पर है जहां पहले उसकी मौजूदगी सीमित रही है. अगले डेढ़ साल में बूथ कमेटियों, मंडल इकाइयों और नए सामाजिक समूहों तक पहुंच बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है. पार्टी मानती है कि पंजाब में राजनीतिक जमीन तैयार करने की शुरुआत संगठन को मजबूत किए बिना संभव नहीं है. दूसरी तरफ बीजेपी का अकेले चुनाव लड़ने का दावा केवल आत्मविश्वास दिखाना नहीं, बल्कि शिरोमणि अकाली दल पर दबाव बनाने की रणनीति भी हो सकता है. संदेश साफ है कि बीजेपी अपने विकल्प खुले रखकर बातचीत की मेज पर मजबूत स्थिति बनाना चाहती है.

संदीप पाठक को अहम जिम्मेदारी सौंपी

इसी रणनीति को जमीन पर उतारने के लिए पार्टी ने हाल ही में आम आदमी पार्टी छोड़कर बीजेपी में आए संगठन के रणनीतिकार संदीप पाठक को अहम जिम्मेदारी सौंपी है. संगठन विस्तार और चुनावी नेटवर्क तैयार करने में माहिर माने जाने वाले संदीप पाठक अब पंजाब में बीजेपी के संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने में जुटे हैं. सूत्रों के मुताबिक 21 जून के आसपास होने वाली बड़ी बैठक में संगठन, सामाजिक समीकरणों और चुनावी रोडमैप पर विस्तार से चर्चा होगी. आप बीजेपी पर हमलावर, कांग्रेस देख रही राजनीतिक अवसर वहीं बीजेपी की बढ़ती सक्रियता ने विपक्ष को भी सतर्क कर दिया है. आम आदमी पार्टी लगातार बीजेपी पर हमलावर है, जबकि कांग्रेस भी इस बार अपने लिए राजनीतिक अवसर देख रही है. दोनों दलों को एहसास है कि बीजेपी पंजाब में लंबी राजनीतिक लड़ाई की तैयारी कर चुकी है. कुल मिलाकर पंजाब की चुनावी लड़ाई भले अभी दूर हो, लेकिन राजनीतिक बिसात बिछ चुकी है. अमित शाह की सीधी निगरानी, नितिन नवीन की सक्रियता, संदीप पाठक, राघव चड्ढा के जरिए संगठन को नई धार, और नशा, सुरक्षा, धर्मांतरण, दलित-सिख आउटरीच जैसे मुद्दों के सहारे बीजेपी ने मिशन पंजाब का बिगुल फूंक दिया है.

हिंदू युवक की हत्या के बाद देहरादून में भड़की हिंसा, कई घरों को फूंका, इंटरनेट बंद, 25 पर FIR

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तराखंड की राजधानी देहरादून के सहसपुर थाना क्षेत्र के बैरागीवाला गांव में एक युवक की निर्मम हत्या के बाद भारी सांप्रदायिक तनाव फैल गया है. सेटरिंग के सामान के किराये और सरकारी ट्यूबवेल से पानी लेने के पुराने विवाद को लेकर विनोद नामक युवक की हथौड़े और धारदार हथियारों से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई. इस वारदात के बाद पूरे इलाके में गुस्सा फूट पड़ा है और हालात को काबू में रखने के लिए भारी पुलिस फोर्स तैनात किया गया है. मिली जानकारी के मुताबिक, मृतक विनोद, राजेश और अशोक का पूर्व प्रधान इस्तिपाक के भतीजे इम्तियाज से विवाद हुआ था. इसके बाद रज्जाक, अमन, यूनुस, अनीस समेत 20-25 लोगों की भीड़ ने कथित तौर पर धारदार हथियारों और हथौड़े से हमला बोल दिया. इस हमले में गंभीर रूप से घायल विनोद ने अस्पताल में दम तोड़ दिया, जबकि दो अन्य घायलों का इलाज जारी है. विनोद के बुजुर्ग पिता ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि वे अपने बेटे के शव का अंतिम संस्कार तब तक नहीं करेंगे, जब तक आरोपियों का एनकाउंटर नहीं हो जाता और उनके घरों पर बुलडोजर की कार्रवाई नहीं की जाती. आक्रोशित भीड़ ने की आगजनी और पथराव युवक की मौत की खबर फैलते ही बैरागीवाला में तनाव चरम पर पहुंच गया. पुलिस प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताते हुए ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि वारदात के बाद भी आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं. इस बीच, गुस्साई भीड़ ने दूसरे समुदाय के घरों को निशाना बनाते हुए जमकर पथराव किया. झड़प के बाद से गांव में तनाव बना हुआ है; आरोप है कि गुस्साई भीड़ ने पहले आरोपियों के घरों पर पत्थरबाजी की और बाद में कई घरों को आग लगा दी. इलाके में पुलिस बल तैनात है और स्थिति को और बिगड़ने से रोकने के लिए हालात पर नजर रखी जा रही है.आक्रोशित लोगों ने कई वाहनों को भी फूंकने का प्रयास किया. मौके पर मौजूद पुलिस बल स्थिति को नियंत्रित करने और उग्र भीड़ को शांत करने की मशक्कत में जुटा है. फिलहाल पूरे गांव में पुलिस की गश्त बढ़ा दी गई है और सुरक्षा एजेंसियां स्थिति पर नजर रखे हुए हैं. पुलिस ने इस घटना के सिलसिले में तीन नामजद आरोपियों और 25 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है.

प्रयागराज में मोहर्रम को लेकर सख्त गाइडलाइन, नए रूट-डीजे-आतिशबाजी पर रोक; ड्रोन से होगी निगरानी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में मोहर्रम को लेकर प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है. योगी सरकार के निर्देश पर यूपी पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सख्त गाइडलाइंस जारी की हैं. नई परंपरा, नए रूट, डीजे की तेज आवाज और आतिशबाजी पर पूरी तरह रोक रहेगी. वहीं संवेदनशील इलाकों में ड्रोन और सीसीटीवी से चौबीस घंटे निगरानी की जाएगी, ताकि किसी भी तरह की परिस्थितियों का पुलिस समय रहते निपट सके. मोहर्रम के पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए प्रयागराज पुलिस ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं. सिटी जोन के डीसीपी मनीष कुमार शांडिल्य ने स्पष्ट किया है कि इस बार किसी भी नई परंपरा को शुरू करने की अनुमति नहीं दी जाएगी. जुलूस केवल पारंपरिक और पूर्व निर्धारित मार्गों से ही निकाले जाएंगे. किसी भी नए रूट पर जुलूस निकालने की इजाजत नहीं होगी. साथ ही ताजियों की ऊंचाई भी पूर्व निर्धारित परंपरा के अनुसार ही रखनी होगी.

किन चीजों पर रहेगा प्रतिबंध?

प्रशासन ने मोहर्रम के जुलूसों में तेज आवाज में डीजे बजाने, आतिशबाजी करने और प्रतिबंधित हथियारों के प्रदर्शन पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है. पुलिस का कहना है कि ध्वनि प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइंस का कड़ाई से पालन कराया जाएगा. सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए खुल्दाबाद, रोशनबाग, अटाला, करेली और चौक जैसे संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल, पीएसी और आरएएफ की तैनाती की जाएगी.

जुलूसों की होगी निगरानी

मोहर्रम से पहले इन क्षेत्रों में फ्लैग मार्च भी निकाला जाएगा. जुलूसों की निगरानी के लिए ड्रोन कैमरे, सीसीटीवी और वीडियो रिकॉर्डिंग का सहारा लिया जाएगा. पुलिस ने सभी थाना प्रभारियों को क्षेत्र के सीसीटीवी कैमरों की जांच कर उन्हें पूरी तरह सक्रिय रखने के निर्देश दिए हैं. वहीं सोशल मीडिया पर भी पुलिस और साइबर सेल की पैनी नजर रहेगी. अफवाह फैलाने, भड़काऊ पोस्ट करने या माहौल खराब करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई है. पुलिस प्रशासन ने मोहर्रम कमेटियों, ताजियादारों और पीस कमेटी के साथ बैठकें पूरी कर ली हैं. जुलूस मार्गों पर बिजली, पानी, साफ-सफाई और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं. 17 जून से 26 जून तक चलने वाले मोहर्रम पर्व को लेकर प्रयागराज पुलिस का दावा है कि सुरक्षा और कानून व्यवस्था के सभी इंतजाम पूरे कर लिए गए हैं. प्रशासन की कोशिश है कि पर्व पूरी शांति, सुरक्षा और भाईचारे के माहौल में संपन्न हो.

जल्द मिलेगी नई किताबें, छात्रों को नहीं होगी कोई परेशानी NCERT ने दिया भरोसा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग (NCERT) ने छात्रों को भरोसा दिलाया है कि सभी अपडेटेड टेक्स्टबुक्स जल्द ही रिलीज कर दी जाएंगी. NCERT ने टेक्स्टबुक्स की कमी के मुद्दे पर एक स्पष्टीकरण जारी किया है. काउंसिल ने कहा कि उसे भरोसा दिलाया जा रहा है कि नई टेक्स्टबुक्स की सप्लाई में और कोई रुकावट नहीं आएगी, चाहे वह उसके वेंडर नेटवर्क के जरिए हो, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए हो, या स्ट्रेटेजिक डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर्स (SDCs) के जरिए हो. NCERT ने कहा है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के अनुरूप तैयार की गई नई पाठ्यपुस्तकों की देशभर में पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए व्यापक स्तर पर वितरण व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है.

कक्षा नौ की 90 लाख पुस्तकें उपलब्ध कराई गई

NCERT ने बताया कि नए पाठ्यक्रम के तहत किताबों का प्रकाशन चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है. इस वर्ष कक्षा 9 के नौ विषयों की 90 लाख से अधिक पाठ्यपुस्तकें प्रकाशित कर देशभर में उपलब्ध करा दी गई हैं. सोशल साइंस की किताब को छोड़कर सभी किताबें छात्रों तक पहुंच चुकी हैं. सोशल साइंस की किताब भी लगभग प्रकाशन के लिए तैयार है और जल्द ही उपलब्ध होगी. एनसीईआरटी ने स्वीकार किया कि नए पाठ्यक्रम में कुछ क्षेत्रों में पुस्तकों की आपूर्ति में अस्थायी और स्थानीय स्तर की कमी देखने को मिल सकती है. हालांकि, NCERT ने भरोसा दिलाया कि स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और मांग के अनुसार आपूर्ति बढ़ाई जा रही है, ताकि छात्रों को किसी प्रकार की असुविधा न हो.

नए करिकुलम की वजह से देरी

NCERT ने कहा कि देरी इसलिए हुई है क्योंकि 'नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (NEP) 2020 पर आधारित एक नया करिकुलम शुरू हुआ है.' काउंसिल ने यह भी कहा कि 'अलग-अलग स्टेज की किताबें ग्रेडेड तरीके से पब्लिश की जा रही हैं.' काउंसिल ने कहा कि हालांकि इस प्रोसेस से कुछ इलाकों में टेम्परारी रुकावटें आ सकती हैं, लेकिन सप्लाई में किसी भी कमी को जल्द से जल्द पूरा करने की कोशिशें चल रही हैं. टेक्स्टबुक की कमी के मुद्दे ने कई राज्यों में पेरेंट्स, स्टूडेंट्स और स्कूलों के बीच चिंता पैदा कर दी थी, जिनमें से कई ने मुश्किलों की रिपोर्ट की थी. काउंसिल ने यह पक्का करने का अपना वादा दोहराया कि नए एजुकेशन फ्रेमवर्क के तहत हर स्टूडेंट को समय पर क्वालिटी लर्निंग रिसोर्स मिलें. NCERT Partition Module 2025: एनसीईआरटी ने भारत-पाक बंटवारे पर जारी किया नया मॉड्यूल, जिन्ना-कांग्रेस और माउंटबेटन को बताया जिम्मेदार

ममता दीदी और उनकी मुश्किलें

पश्चिम बंगाल की राजनीति में साल 2026 एक अभूतपूर्व और ऐतिहासिक उलटफेर के गवाह के रूप में दर्ज हो चुका है। लगातार 15 वर्षों तक राज्य की सत्ता पर एकछत्र राज करने वाली तृणमूल कांग्रेस और उसकी सर्वोच्च नेता ममता बनर्जी का अपने संपूर्ण राजनैतिक सफर के सबसे अंधकारमय और कठिन दौर से गुजर रही हैं। हाल ही में संपन्न हुए 2026 के विधानसभा चुनावों में मिली करारी हार ने न केवल इस क्षेत्रीय दल को सत्ता के गलियारों से बेदखल कर दिया है, बल्कि ममता बनर्जी के अपराजेय होने के उस मिथक को भी हमेशा के लिए तोड़ दिया है जो पिछले डेढ़ दशक से बंगाल की धरती पर कायम था। वर्ष 2011 में वामपंथ के 34 साल पुराने अभेद्य किले को ढहाकर सत्ता के शीर्ष पर पहुंचने वाली ममता बनर्जी के लिए यह पराजय केवल एक चुनावी शिकस्त नहीं है। यह उनके द्वारा खड़े किए गए राजनैतिक साम्राज्य के बिखरने की एक शुरुआत जैसी प्रतीत हो रही है। सत्ता हाथ से फिसल जाने के बाद जो संकट अमूमन हर उस दल के सामने आता है जिसकी कमान एक ही चेहरे के हाथ में हो, वह आज तृणमूल कांग्रेस के सामने बेहद आक्रामक और विनाशकारी रूप में आकार खड़ा हो गया है।

चुनावी नतीजों के आने के तुरंत बाद पार्टी के भीतर असंतोष का जो ज्वालामुखी पिछले कई महीनों से सुलग रहा था, वह अब पूरी तरह से फट चुका है। राजनैतिक हलकों और पार्टी के आंतरिक सूत्रों से आ रही प्रामाणिक खबरें यह साफ संकेत देती हैं कि वर्तमान समय में लगभग 50 विधायक और कई वरिष्ठ सांसद पूरी तरह से बगावती रुख अख्तियार कर चुके हैं। तृणमूल कांग्रेस के 28 साल के इतिहास में यह अब तक का सबसे बड़ा और आत्मघाती आंतरिक संकट माना जा रहा है। सत्ता के जाते ही विधायकों और सांसदों का यह विशाल धड़ा पार्टी आलाकमान के हर फैसले पर खुलेआम उंगलियां उठा रहा है। कई ऐसे वरिष्ठ नेता जो कल तक मुख्यमंत्री के सबसे भरोसेमंद सिपहसालार और संकटमोचक हुआ करते थे, वे अब ममता बनर्जी का साथ छोड़कर अपनी नई राजनैतिक राह तलाश रहे हैं। सुदीप बंद्योपाध्याय जैसे अत्यंत कद्दावर और पुराने नेताओं के बगावती सुरों ने इस संकट को और अधिक गहरा तथा संवेदनशील बना दिया है, क्योंकि वे एक लंबे अरसे से देश की संसद में पार्टी के संसदीय दल के नेता के रूप में तृणमूल कांग्रेस का सबसे प्रमुख चेहरा रहे हैं। पार्टी के इस तीव्र बिखराव ने ममता बनर्जी की राजनैतिक प्राथमिकताओं को पूरी तरह से बदल दिया है, क्योंकि एक विपक्षी नेता के रूप में जनता के बीच अपनी खोई हुई जमीन दोबारा तलाशने से पहले उन्हें अपने बिखरते हुए घर को संभालने की अत्यंत दुरूह चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। इस बड़े विद्रोह और असंतोष के पीछे केवल सत्ता चले जाने की हताशा ही एकमात्र कारण नहीं है, बल्कि पार्टी के भीतर समानांतर रूप से लंबे समय से चल रहा अंदरूनी सत्ता संघर्ष भी इसका मुख्य आधार है। यह गहरा वैचारिक और व्यावहारिक संघर्ष असल में पार्टी की पुरानी और नई पीढ़ी के बीच का है। एक तरफ ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व वाली नई और युवा पीढ़ी है जो पार्टी के पूरे तंत्र को आधुनिक, तकनीकी और कॉर्पोरेट तरह से व्यावसायिक तरीके से संचालित करना चाहती है। वहीं दूसरी तरफ वे पुराने, पारंपरिक और अनुभवी नेता हैं जिन्होंने जमीनी स्तर पर संघर्ष करके इस पार्टी को खड़ा किया था। अभिषेक बनर्जी के निर्णय लेने के तौर तरीकों, टिकटों के बंटवारे में किए गए प्रयोगों और संगठनात्मक फेरबदल के फैसलों से ये पुराने नेता खुद को लंबे समय से उपेक्षित और हाशिए पर महसूस कर रहे थे। चुनावों में मिली करारी हार ने इस सुलगती हुई आग में घी का काम किया है और अब इस गुटबाजी ने एक उग्र रूप ले लिया है। बागी गुट के नेता अब खुले तौर पर अभिषेक बनर्जी की राजनैतिक रणनीतियों और उनकी कार्यशैली को इस ऐतिहासिक हार का मुख्य जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि बागी नेता अब अभिषेक बनर्जी को संसदीय दल के नेतृत्व से हटाने और पार्टी के पुराने ढर्रे को वापस लाने की जिद पर अड़ गए हैं। दो पीढ़ियों का यह तीखा टकराव पार्टी को संगठनात्मक रूप से दो टुकड़ों में विभाजित करने की कगार पर ले आया है।

ममता बनर्जी की चौतरफा घिरती मुश्किलों की फेहरिस्त केवल आंतरिक बगावत और सत्ता के नुकसान तक ही सीमित नहीं है, बल्कि पिछले कुछ वर्षों में सिलसिलेवार ढंग से सामने आए भ्रष्टाचार के बड़े मामलों ने भी संगठन की नैतिक रीढ़ को पूरी तरह से तोड़ दिया है। शिक्षक भर्ती घोटाला, मवेशी तस्करी और सार्वजनिक राशन वितरण प्रणाली में हुई अरबों रुपये की गड़बड़ियों के संगीन आरोपों ने जमीनी स्तर पर आम जनता के बीच पार्टी की साख को बहुत गहरी चोट पहुंचाई थी। इन आपराधिक मामलों में प्रवर्तन निदेशालय और केंद्रीय जांच ब्यूरो जैसी शक्तिशाली केंद्रीय जांच एजेंसियों की निरंतर सक्रियता, ताबड़तोड़ छापेमारी और पार्टी के शीर्ष मंत्रियों सहित कई कद्दावर नेताओं की जेल यात्रा ने संगठन के मनोबल को भीतर से खोखला कर दिया था। चुनावी समर के दौरान विपक्षी दलों ने इन घोटालों और भ्रष्टाचार के मुद्दों को जनता के बीच बहुत प्रभावी और आक्रामक तरीके से पेश किया, जिसके परिणामस्वरूप तृणमूल कांग्रेस का वह पारंपरिक गरीब और मध्यमवर्गीय मतदाता भी उससे दूर चला गया जो कभी उसकी सबसे बड़ी ताकत हुआ करता था। सत्ता की ढाल मौजूद रहते हुए इन जांच एजेंसियों के दबाव और कानूनी कार्रवाइयों को झेलना फिर भी मुमकिन था, परंतु अब विपक्ष के कमजोर आसन पर बैठने के बाद पार्टी के नेताओं के भीतर कानूनी शिकंजे का डर कई गुना बढ़ गया है, जिससे बचने के लिए वे सुरक्षित ठिकानों और नए राजनैतिक विकल्पों की शरण ले रहे हैं।

इन सब प्रशासनिक और संगठनात्मक कमजोरियों के अलावा, राज्य की कानून व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति और गहरे सामाजिक असंतोष ने भी ममता बनर्जी की वापसी की राह को बेहद पथरीला और दुर्गम बना दिया है। वर्ष 2024 में कोलकाता के आर जी कर चिकित्सा महाविद्यालय और अस्पताल के भीतर हुई अत्यंत दुखद और पूरे देश को झकझोर देने वाली घटना ने बंगाल की जनता के धैर्य की सीमा को तोड़ दिया था। इस अमानवीय घटना के बाद भड़के अभूतपूर्व जन आक्रोश, हफ्तों तक चले नागरिक समाज के आंदोलनों और विशेषकर महिला चिकित्सकों व युवाओं के लगातार विरोध प्रदर्शनों ने तत्कालीन सरकार की प्रशासनिक संवेदनशीलता और पुलिसिया तंत्र की निष्पक्षता पर बहुत गंभीर सवालिया निशान खड़े किए थे। पश्चिम बंगाल के राजनैतिक इतिहास में आधी आबादी यानी महिलाएं हमेशा से ममता बनर्जी की सबसे अटूट ढाल और मूक मतदाता रही हैं, लेकिन इस विशिष्ट घटना और उसके बाद के घटनाक्रमों ने महिला मतदाताओं के एक बहुत बड़े और जागरूक वर्ग को तृणमूल कांग्रेस से पूरी तरह से विमुख कर दिया। सत्ता विरोधी लहर के साथ-साथ इस गहरे और सुलगते हुए सामाजिक गुस्से ने 2026 के विधानसभा चुनावों में एक अत्यंत निर्णायक भूमिका निभाई और पार्टी को पराजय के गर्त में धकेल दिया।

अंततः, तृणमूल कांग्रेस और ममता बनर्जी के सामने आज एक ऐसा अभूतपूर्व संकट खड़ा है जहां उन्हें अपनी राजनैतिक यात्रा को फिर से शून्य से शुरू करना पड़ रहा है। बिना सरकारी सत्ता और संसाधनों के इतने बड़े संगठन को आर्थिक तथा मानसिक रूप से जीवित रखना, केंद्रीय जांच एजेंसियों के मुकदमों का कानूनी सामना करना और इसके साथ ही अपने 50 बागी विधायकों और सांसदों को बिखरने से रोकना ममता बनर्जी के चार दशक लंबे राजनैतिक जीवन की सबसे कठिन और अग्निपरीक्षा जैसी चुनौती है। पश्चिम बंगाल की राजनीति अब एक पूरी तरह से नए युग में प्रवेश कर चुकी है जहां भारतीय जनता पार्टी स्पष्ट बहुमत के साथ राज्य की सत्ता पर काबिज होकर अपनी नीतियां लागू कर रही है। ऐसे विपरीत और अशांत माहौल में ममता बनर्जी के लिए अपनी पार्टी के अस्तित्व को बचाए रखना, संगठनात्मक बिखराव की इस तेज आंधी को रोकना और अपने बचे हुए कार्यकर्ताओं में दोबारा जोश भरना एक ऐसा असाध्य कार्य बन गया है जिसकी मुश्किलें निकट भविष्य में कम होने का नाम नहीं ले रहीं।

महेन्द्र तिवारी

यूपी 2027 चुनावः किस पार्टी की कैसी चल रही तैयारी?

संपादक/लेखकः राजीव शुक्ला

उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव को अभी 8-9 महीने बचे हैं, लेकिन सियासी दलों ने 'मिशन 2027' शुरू कर दिया है। 2022 में भाजपा ने 255 सीटें जीतकर सत्ता बचाई थी, जबकि सपा-कांग्रेस गठबंधन 125 सीटों पर सिमट गया था। इस बार मुकाबला पहले से ज्यादा रणनीतिक लग रहा है। हार-जीत भी निकटतम होने की संभावना दिखाई दे रही है। उत्तर प्रदेश में मुख्य मुकाबला सपा और भाजपा में ही होता दिख रहा है। बसपा सुप्रीमो मायावती अभी शांत मुद्रा में हैं। लेकिन चुनाव के समय वह अपने कोर वोट के अलावा अन्य वोटों पर कब्जा नहीं कर पाएंगी। कांग्रेस सपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी जबकि अन्य क्षेत्रीय दल भाजपा के साथ हैं। भाजपा का फोकस कानपुर-बुंदेलखंड और पश्चिमी यूपी पर है, जिसे वो अपना 'अभेद्य किला' मानती है। 2017 और 2022 दोनों बार सपा-बसपा गठबंधन भी इस इलाके को नहीं भेद पाया। बूथ लेवल रिव्यूः प्रदेश संगठन हर बूथ और शक्ति केंद्र का सत्यापन कर रहा है। निष्क्रिय पदाधिकारियों को हटाकर सक्रिय कार्यकर्ता लगाए जा रहे हैं। संगठनात्मक बदलावः पंकज चौधरी नए प्रदेश अध्यक्ष हैं। वो लगातार मंडल और विधानसभा प्रभारियों के साथ बैठक कर रहे हैं। चुनौतीः अंदरूनी जातीय गोलबंदी बड़ी समस्या है। क्षत्रिय, ब्राह्मण, कुर्मी, लोध समाज की अलग-अलग बैठकें पार्टी के लिए चिंता का सबब बनी हैं। कार्यकर्ताओं की शिकायत है कि सरकार में उनकी बात नहीं सुनी जाती। भाजपा का प्लान है कि पश्चिम बंगाल में मिली जीत के मोमेंटम को यूपी में भी भुनाया जाए।

समाजवादी पार्टी– जल्दी प्रत्याशी, कांग्रेस से गठबंधन फिक्स करेगी। अखिलेश यादव ने इस बार रणनीति बदल दी है। 2017 की तरह सिर्फ पोस्टर लगाने की गलती नहीं दोहराएंगे। समाजवादी पार्टी में 200 सीटों पर प्रत्याशी तय हो चुके हैं सर्वे के आधार पर 200 जिताऊ चेहरे छांट लिए गए हैं। चुनाव नोटिफिकेशन से 2-3 महीने पहले नाम घोषित कर दिए जाएंगे ताकि प्रत्याशियों को प्रचार का समय मिले। समाजवादी पार्टी एक बार फिर से पीडीए के नारे के साथ चुनाव मैदान में उतरने को आतुर दिखाई दे रही है। पिछले लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में दलितों ने समाजवादी पार्टी को बड़ी संख्या में वोट किया था और यही कारण था कि सपा 37 सीट जीतकर प्रदेश में नंबर वन की पोजीशन पर रही थी। सपा प्रमुख अखिलेश यादव विधानसभा चुनाव में भी कुछ इसी तरह के परिणाम की उम्मीदें लगा रहे हैं।

कांग्रेस से गठबंधनः कांग्रेस के पास उत्तर प्रदेश में खोने के लिए कुछ भी नहीं है और वह पूरी तरह से समाजवादी पार्टी पर ही निर्भर है। 2024 लोकसभा फॉर्मूले पर ही 2027 का चुनाव लड़ा जाएगा। सीट बंटवारे का फॉर्मूला 'सिंबल हमारा-कैंडिडेट तुम्हारा' रहेगा। 80 सीटों पर बात बनने की संभावना है। **दलबदलः** भाजपा, बसपा कांग्रेस, लोकदल के नेता सपा में शामिल हो रहे हैं। हाल ही में रिटायर्ड आईएएस बदरूद्दीन खान, लोकदल के वसीम राजा, बसपा नेता महेन्द्र सिंह वर्मा सपा में आए हैं।

रणनीतिः इस बार 'पैरवी नहीं, पकड़' के आधार पर टिकट मिलेगा। जिला इकाइयों की रिपोर्ट का मिलान केंद्रीय सर्वे से किया जा रहा है। सपा 2024 लोकसभा में मिले 43 सीटों के मोमेंटम को भुनाना चाहती है। बसपा : संगठन पुनर्गठन, प्रभारी सिस्टम पर फोकस दे रही है लेकिन शांत तरीके से बसपा का कानपुर-बुंदेलखंड में 2022 में खाता भी नहीं खुला था। मायावती ने जिलाध्यक्ष बदलकर चुनावी तैयारी का फरमान जारी किया है। बसपा अभी राष्ट्रीय स्तर पर कम सक्रिय है, लेकिन ग्राउंड पर अपने कोर वोट बैंक एससी को साधने की कोशिश में है। कांग्रेसः बसपा मॉडल अपनाकर 403 सीटों पर प्रभारी

कांग्रेस यूपी में 30 साल से सत्ता से बाहर है। 2027 के लिए उसने बसपा वाला फॉर्मूला अपनाया है - सभी 403 सीटों पर प्रभारी नियुक्त करना। हर प्रभारी को अपनी विधानसभा में जमीन तैयार करनी है। इससे कार्यकर्ता सक्रिय होंगे और संगठन मजबूत होगा। संगठन सृजन अभियान चल रहा है, लेकिन राष्ट्रीय स्तर से कहा गया कि इसे नए सिरे से करना होगा। सपा के साथ गठबंधन तय है, लेकिन कांग्रेस चाहती है कि अपने दम पर भी जमीन मजबूत हो।

फिलहाल कांग्रेस के पास विधानसभा में सिर्फ 2 विधायक हैं। छोटे दल और नए खिलाड़ी- करणी सेनाः पंचायत चुनाव के साथ 2027 विधानसभा चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। राजपूत वोट बैंक पर इसका असर भाजपा - सपा दोनों पर पड़ सकता है। लोकदल, अन्य क्षेत्रीय दलः सपा में विलय कर रहे हैं, जिससे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सपा को मजबूती मिल रही है। मुख्य मुकाबला किस पर टिका है? **कानपुर-बुंदेलखंडः** यहां भाजपा मजबूत है। जिसने इस क्षेत्र पर कब्जा किया, उसका मुख्यमंत्री बनना तय माना जाता है। जातीय समीकरणः सपा पीडीए फॉर्मूले पर चल रही है। भाजपा अंदरूनी जातीय असंतोष को संभालने में जुटी है। गठबंधनः एसपी-कांग्रेस गठबंधन तय है। बीजेपी एनडीए सहयोगियों के साथ जाएगी। बसपा अकेले चुनाव लड़ सकती है। 2024 लोकसभा में सपा-कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी को 33 सीटों पर रोक दिया था। 2027 में वो इसी मोमेंटम को दोहराना चाहते हैं। भाजपा संगठन और बूथ मैनेजमेंट में सबसे आगे है, लेकिन अंदरूनी नाराजगी बड़ी चुनौती है। एसपी ने जल्दी प्रत्याशी और गठबंधन से बढ़त लेने की कोशिश की है। कांग्रेस और बसपा अभी संगठन खड़ा करने में लगी हैं। यूपी का चुनाव हमेशा 'दिल्ली का रास्ता' माना जाता है। 2027 में असली लड़ाई बूथ, जातीय समीकरण और 90 दिन पहले मैदान में उतरने की होगी।

भारत के लिए अमेरिका हमेशा अहितकारी मित्र, आर्थिक लाभ की अमेरिकी विदेश नीति

भारत की स्वतंत्रता के बाद से ही जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में भारत ने अमेरिका तथा रूस से अपने संबंध विस्तारित करने का प्रयास किया पर रूस ने सदैव एक सच्चे मित्र की भूमिका निभाई पर कई सोपनो में अमेरिका केवल अपनी आर्थिक नीतियों को मजबूत करने के लिए भारत से संबंध बनाते रहा है एवं भारत से ज्यादा पड़ोसी पाकिस्तान देश को वरीयता प्रदान करता रहा है एवं उसे आर्थिक तथा सामरिक मदद भी करता रहा। अमेरिका का सदैव यह प्रयास रहा कि भारत में अंदरूनी तथा बाहरी अस्थिरता बनी रहे और यही कारण है कि वह पाकिस्तान को सदैव भारत के खिलाफ भड़काता उकसाता रहा है। स्वतंत्रता के बाद से लेकर आज तक मित्रता में अमेरिका का आर्थिक पढ़ना हमेशा भारी रहा है यह अलग बात है कि भारत ने अपनी स्वतंत्र विदेश नीति और अपनी स्वायत्त छवि को विदेशों में कायम रखा और एक स्वतंत्र गुटनिरपेक्ष नीति पर आगे चला रहा। विश्व राजनीति में अमेरिका एक ऐसी महाशक्ति के रूप में स्थापित रहा है जिसकी विदेश नीति का मूल आधार आदर्शवाद से अधिक राष्ट्रीय हित और आर्थिक लाभ रहा है। अंतरराष्ट्रीय संबंधों के विशेषज्ञों का मानना है कि कोई भी राष्ट्र स्थायी मित्र या शत्रु नहीं रखता, बल्कि उसके स्थायी हित होते हैं। अमेरिका ने भी अपने राष्ट्रीय हितों, आर्थिक प्रभुत्व और सामरिक वर्चस्व को सर्वोपरि रखते हुए विश्व के देशों के साथ संबंध स्थापित किए हैं। यही कारण है कि अनेक बार वह मित्र दिखाई देता है, तो कई बार उसके निर्णय मित्र देशों के लिए भी असहज और चिंताजनक साबित होते हैं।

द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद अमेरिका ने स्वयं को वैश्विक आर्थिक और सैन्य शक्ति के रूप में स्थापित किया। उसने अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं, व्यापारिक समझौतों और सुरक्षा गठबंधनों के माध्यम से अपने प्रभाव का विस्तार किया। अमेरिका की विदेश नीति का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य विश्व बाजारों तक पहुंच बनाए रखना, ऊर्जा संसाधनों की सुरक्षा करना और अपने आर्थिक हितों की रक्षा करना रहा है। इराक, अफगानिस्तान, लैटिन अमेरिका, पश्चिम एशिया और एशिया-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी हस्तक्षेपों का अध्ययन करने पर स्पष्ट होता है कि लोकतंत्र, मानवाधिकार और सुरक्षा जैसे मुद्दों के साथ-साथ आर्थिक और सामरिक हित भी उसकी नीतियों के केंद्र में रहे हैं। इसलिए आलोचक अमेरिका को 'हित-आधारित मित्र' या 'ट्रबलसम फ्रेंड' की संज्ञा देते हैं।

भारत के संदर्भ में अमेरिकी दृष्टिकोण

भारत की स्वतंत्रता के बाद अमेरिका और भारत के संबंध सदैव सरल नहीं रहे। शीतयुद्ध काल में भारत ने गुटनिरपेक्ष नीति अपनाई, जबकि अमेरिका पाकिस्तान को अपने सामरिक सहयोगी के रूप में देखता था। पाकिस्तान को सैन्य सहायता, आधुनिक हथियारों और आर्थिक सहयोग ने दक्षिण एशिया में शक्ति संतुलन को प्रभावित किया।

1965 और 1971 के युद्धों के दौरान भी अमेरिकी नीतियों को लेकर भारत में अनेक प्रश्न उठे। विशेष रूप से 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के समय अमेरिकी प्रशासन का झुकाव पाकिस्तान की ओर दिखाई दिया। इससे भारतीय जनमानस में यह धारणा मजबूत हुई कि अमेरिका दक्षिण एशिया में भारत की अपेक्षा पाकिस्तान को सामरिक दृष्टि से अधिक महत्व देता है। हालांकि यह भी सत्य है कि समय के साथ परिस्थितियां बदलीं। 1991 के आर्थिक उदारीकरण के बाद भारत-अमेरिका संबंधों में नई निकटता आई। सूचना प्रौद्योगिकी, व्यापार, रक्षा, शिक्षा और परमाणु सहयोग जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों ने उल्लेखनीय साझेदारी विकसित की। 2008 का असैनिक परमाणु समझौता इस संबंध का महत्वपूर्ण पड़ाव माना जाता है। विश्वास और सावधानी के बीच भारत

भारत और अमेरिका आज रणनीतिक साझेदार हैं, किंतु यह साझेदारी पूर्ण विश्वास पर नहीं बल्कि पारस्परिक हितों पर आधारित है। अमेरिका जहां चीन के बढ़ते प्रभाव को संतुलित करने के लिए भारत को महत्वपूर्ण साझेदार मानता है, वहीं भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखना चाहता है। रूस-यूक्रेन युद्ध, ईरान के प्रश्न और वैश्विक व्यापारिक नीतियों पर कई बार दोनों देशों के दृष्टिकोण अलग दिखाई देते हैं। इससे स्पष्ट होता है कि भारत को अमेरिका के साथ सहयोग तो बढ़ाना चाहिए, लेकिन अपनी विदेश नीति का निर्धारण राष्ट्रीय हितों और आत्मनिर्भर सामरिक क्षमता के आधार पर करना चाहिए।

वैसे भी विदेश नीति परिपेक्ष में किसी भी देश के साथ अमेरिका अमेरिका को भी केवल मित्र या शत्रु की संकीर्ण परिभाषा में नहीं बांधा जा सकता। वह एक ऐसी महाशक्ति है जो अपने राष्ट्रीय, आर्थिक और सामरिक हितों के अनुसार निर्णय लेती है। भारत के लिए भी आवश्यक है कि वह भावनाओं के बजाय यथार्थवादी दृष्टिकोण अपनाए। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में विश्वास से अधिक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय हित और सामरिक संतुलन होते हैं।

भारत को अमेरिका सहित सभी प्रमुख शक्तियों के साथ संतुलित संबंध रखते हुए अपनी स्वतंत्र विदेश नीति, आर्थिक आत्मनिर्भरता और सामरिक शक्ति को सुदृढ़ करना होगा। यही वह मार्ग है जो भारत को वैश्विक मंच पर सम्मानजनक, सुरक्षित और प्रभावशाली स्थिति प्रदान कर सकता है।

संजीव ठाकुर

कविता

नन्हे उजाले की सुबह।

आशाएँ कभी शोर नहीं करतीं,
वे धीरे से आंगन पर उतरती है
धूप का एक छोटा सा बिम्ब
कमरे में बिना ब
कहे पसर जाता ।

उदासी का अपना एक पहलू,
गहरी बिना चंदा की निशा,
उसी में कहीं
बहुत हल्का सा उजाला
शायद यही आशा
जो हार नहीं मानती।

खुशियों के पल
बहुत विशाल नहीं
वे इतने छोटे होते
अक्सर हमारे पास
और हम उन्हें ढूँढ़ते
किसी दूर आकाश में।
कभी एक मुस्कान
पूरी थकान उड़ा देती,
एक शब्द
मन की बर्फ को पिघलाते ।

तमस हटता नहीं एकबारगी
वह थोड़ा-थोड़ा पीछे जाता ,
जैसे कोई संकोची बच्चा
भीड़ को दूर से निहारता ।

और तब
हम महसूस करते
जिंदगी उतनी उदास नहीं
जितना हमने मान लिया ,
उसमें कुछ उजाले पहले से
आँखें में मौजूद हैं।

आशाएँ
दरअसल दरवाज़ा नहीं खोलतीं,
वे बस इतना करती
हमें याद दिलाती
यह सुकुन का द्वार
नन्ही सुबह दे जाता।

संजीव ठाकुर

दैनिक राशिफल

मेष कल का दिन आत्मविश्वास बढ़ाने वाला रहेगा। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा।
शुभ रंगः लाल 7 शुभ अंकः 9

वृषभ धन संबंधी मामलों में सावधानी रखें। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है। नौकरीपेशा लोगों को अधिकारियों का सहयोग मिलेगा।
शुभ रंगः सफेद 7 शुभ अंकः 6

मिथुन व्यापार में लाभ के संकेत हैं। संचार कौशल के कारण आपके कार्य बनेंगे। विद्यार्थियों को पढ़ाई में सफलता मिलेगी।
शुभ रंगः हरा 7 शुभ अंकः 5

कर्क भावनाओं पर नियंत्रण रखें। परिवार में किसी शुभ कार्य की चर्चा हो सकती है। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें।
शुभ रंगः चांदी 7 शुभ अंकः 2

सिंह मान-सम्मान में वृद्धि होगी। नौकरी में पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने की संभावना है। निवेश के लिए समय अनुकूल है।
शुभ रंगः सुनहरा 7 शुभ अंकः 1

कन्या कार्यस्थल पर मेहनत का फल मिलेगा। रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।
शुभ रंगः हरा 7 शुभ अंकः 5

तुला सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नए लोगों से संपर्क भविष्य में लाभदायक सिद्ध होंगे। खर्चों पर नियंत्रण रखें।
शुभ रंगः गुलाबी 7 शुभ अंकः 6

वृश्चिक महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर लें। करियर में प्रगति के अवसर मिलेंगे। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा।
शुभ रंगः लाल 7 शुभ अंकः 9

धनु भाग्य का साथ मिलेगा। धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। यात्रा के योग बन सकते हैं।
शुभ रंगः पीला 7 शुभ अंकः 3

मकर धन निवेश में सावधानी बरतें। कार्यक्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है, लेकिन आपकी मेहनत रंग लाएगी।
शुभ रंगः नीला 7 शुभ अंकः 8

कुंभ साझेदारी के कार्यों में सफलता मिलेगी। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं।
शुभ रंगः आसमानी 7 शुभ अंकः 4

मीन स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी और व्यवसाय में सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। पुराने विवाद समाप्त हो सकते हैं।
शुभ रंगः पीला 7 शुभ अंकः 7

दक्षिण की फिल्में कहानी से शुरू होती हैं, बॉलीवुड स्टार से शुरू होता है

[गांव की गूंज और शहर का शोर–दो सिनेमा दृष्टियों का मौन संघर्ष]

[सिनेमा की वो जड़ें जो साउथ में अभी भी हरी हैं, बॉलीवुड में सूख चुकी हैं]

जब कोई फिल्म अपनी मिट्टी की गहराइयों से जन्म लेती है, तब वह केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रह जाती; वह अपने समय और समाज का जीवंत महाकाव्य बन जाती है। दक्षिण भारतीय सिनेमा का सबसे बड़ा सामर्थ्य यही है कि वह कहानी को केंद्र में रखता है। वहां पहले कथा जन्म लेती है और फिर उसी कथा के भीतर से नायक उभरता है। किरदार मिट्टी से निकलते हैं, उनकी धड़कनों में लोकजीवन की लय बसती है और उनकी आंखों में पीढ़ियों के सुख-दुःख झलकते हैं। वहीं बॉलीवुड की शुरुआत आजकल स्टार से होती है – पहले चेहरा तय, फिर उसके एंट्री शॉट्स, उसके कपड़े, उसके डायलॉग और अंत में व्यक्तित्व के अनुरूप कथानक गढ़ा जाता है। नतीजा यह कि साउथ की फिल्में दिल की गहराई तक उतर जाती हैं, जबकि बॉलीवुड की फिल्में सतह पर चमककर रह जाती हैं।

साउथ का गांव जब पर्दे पर बोलता है, तो उसकी आवाज़ में सदियों की स्मृति, आस्था और संघर्ष की गूंज सुनाई देती है। 'कांतारा', 'पेड्डी', 'पुष्पा' या 'जेलर' जैसी फिल्मों में गांव केवल पृष्ठभूमि नहीं, बल्कि एक सजीव, सांस लेता हुआ चरित्र है। वहां की मिट्टी की महक, लोकदेवताओं में विश्वास, परंपराओं की शक्ति और आम आदमी का संघर्ष – सब दर्शक की रगों में उतर जाता है। दर्शक महसूस करता है कि वह फिल्म नहीं देख रहा, बल्कि अपनी सांस्कृतिक आत्मा को पुनः खोज रहा है। इसके उलट बॉलीवुड का शहर रोशनी से भरा होकर भी भीतर से खाली लगता है; वहां चमक है, पर संवेदना नहीं–चेहरे दिखते हैं, पर किरदार दिल में नहीं बसते।

सबसे उल्लेखनीय तथ्य यह है कि बॉलीवुड स्वयं अब इस सच्चाई को स्वीकार करने लगा है। वह दक्षिण की मूल कहानियों को हिंदी में डब करके या रीमेक बनाकर पेश कर रहा है और वे फिल्में ब्लॉकबस्टर साबित हो रही हैं। 'दृश्यम', 'जेलर' और 'केजीएफ' जैसी फिल्में हिंदी डब्ड वर्जन में जबरदस्त सफलता पा चुकी हैं। बॉलीवुड की अनेक बड़े स्टार स्टूडियो अब साउथ की पटकथाओं पर निर्भर हो गए हैं क्योंकि उन्हें अपनी मिट्टी से कहानियाँ निकालने की कला लगभग खो चुकी है। वे स्टार की चमक से चमकाने की कोशिश करते हैं, पर असली जादू तो दक्षिण की कहानी में ही है।

यह अंतर केवल निर्देशन, तकनीक या पटकथा का नहीं, बल्कि सोच और दृष्टि का अंतर है। दक्षिण का फिल्मकार अभी भी अपनी जड़ों से गहराई से जुड़ा हुआ है। वह जानता है कि असली नायक कहानी है, संघर्ष है, समाज की सामूहिक स्मृति है। इसलिए वह स्टार को किरदार में घुलने देता है, स्टार को किरदार पर हावी नहीं होने देता। यही वजह है कि राम चरण 'पेड्डी' में एक साधारण देहाती योद्धा बनकर भी पूरे देश का दिल जीत लेता है। वह अपनी जड़ों को नहीं छोड़ता, जड़ें उसे उड़ान देती हैं। इसके विपरीत बॉलीवुड का स्टार जड़ों को काटकर उड़ान भरने की कोशिश करता है, इसलिए उसकी उड़ान छोटी, दिखावटी और जल्दी थक जाने वाली साबित होती है।

दक्षिण भारतीय फिल्मों की कहानियां समय की गहराइयों में उतरती हैं। वे लोककथाओं, पुराणों, क्षेत्रीय इतिहास और समकालीन यथार्थ को एक सूत्र में पिरो देती हैं। उनके एक-एक फ्रेम में संस्कृति की सांस सुनाई देती है, परंपरा का स्पर्श महसूस होता है और मानवीय संवेदनाओं की आंच दिखाई देती है। फिल्म समाप्त होने के बाद भी उसके पात्र और प्रसंग दर्शक के भीतर जीवित रहते हैं। बॉलीवुड इस कला को लगभग भूल चुका है। वहां कहानी को इतना सजाया और चमकाया जाता है कि कई बार उसकी स्वाभाविकता ही धूमिल पड़ जाती है। फिल्में देखी तो जाती हैं, पर वे हमेशा दर्शक के मन में घर नहीं बना पातीं।

आज का दर्शक भी बदल चुका है। वह केवल चमक-दमक से प्रभावित होने वाला दर्शक नहीं रहा। वह ऐसे सिनेमा की तलाश में है जिसमें पात्र सांस लेते हों, संघर्ष करते हों, घायल होते हों और जीवन की वास्तविकता को जीते हों। वह बनावटी पूर्णता नहीं, मानवीय सच्चाई देखना चाहता है। साउथ सिनेमा इस प्यास को बखूबी समझता है। इसलिए जब उसका गांव बोलता है, तो दिल्ली, मुंबई और देश के अन्य महानगर भी चुपचाप सुनने को मजबूर हो जाता है। दूसरी ओर बॉलीवुड का शहर अब भी बड़े बजट, विशाल प्रचार और भव्य प्रस्तुतियों के सहारे अपनी बात कहने का प्रयास कर रहा है, लेकिन उसकी आवाज़ अब खोखली और बेमानी लगती है।

दक्षिण की फिल्मों की सबसे बड़ी विजय यह है कि वे दर्शक को उपभोक्ता नहीं, सहभागी बनाती हैं। वे उससे कहती हैं–आओ, इस कहानी को सुनो, इसे महसूस करो और इसका हिस्सा बनो।

दर्शक स्वयं को कथा के भीतर पाता है और पात्रों के सुख-दुःख से जुड़ जाता है। इसके विपरीत बॉलीवुड का एक बड़ा हिस्सा लंबे समय तक दर्शक को केवल तमाशे का उपभोक्ता मानता रहा–देखो, ताली बजाओ और लौट जाओ। जब तक यह मानसिकता नहीं बदलेगी, साउथ की फिल्में न सिर्फ बाजार पर राज करती रहेंगी बल्कि दिलों पर भी अमिट छाप छोड़ती रहेंगी।

आखिरकार सिनेमा की सबसे बड़ी सच्चाई यही है कि वह कहानी से जन्म लेता है, न कि स्टार की चमक से। सितारे कहानी को ऊंचाई दे सकते हैं, लेकिन कहानी का स्थान नहीं ले सकते। दक्षिण भारतीय सिनेमा ने इस सत्य को समझा और उसी के बल पर उसने पूरे देश का ध्यान आकर्षित किया। और जब तक बॉलीवुड इस सच्चाई को नहीं समझेगा, साउथ का गांव बोलता रहेगा और पूरा देश उसकी आवाज़ में खोता रहेगा। क्योंकि अंततः दर्शक को शोर नहीं, सत्य आकर्षित करता है; चमक नहीं, संवेदना बांधती है; और वही सिनेमा अमर होता है जो अपनी मिट्टी से जन्म लेकर मनुष्य के हृदय तक पहुंचता है।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

स्वामी– स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ल द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

संक्षिप्त खबरें

कैंट विधानसभा में घर-घर पहुंचेगा सपा पीडीए का संदेश, 16 जून से निकलेगी जनसंदेश यात्रा

कानपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के आह्वान पर समाजवादी पार्टी कानपुर महानगर द्वारा 216 कैंट विधानसभा क्षेत्र में पीडीए (पिछड़ा, दलित एवं अल्पसंख्यक) जनसंदेश यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यह यात्रा 16 जून से प्रारंभ होगी, जो पांचो विधान सभाओ मे जायेगी, जिसका नेतृत्व समाजवादी पार्टी कानपुर महानगर अध्यक्ष हाजी फज़ल महमूद करेंगे। यात्रा का शुभारंभ वार्ड 73 जाजमऊ पुरानी चुंगी से किया जाएगा। इसके बाद पीडीए जनसंदेश यात्रा मककू शहीद का भट्ठा, अशरफाबाद, मोती नगर, केडीए कॉलोनी तथा डिफेंस कॉलोनी सहित कैंट विधानसभा के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचेगी। यात्रा के माध्यम से समाजवादी पार्टी के नेता एवं कार्यकर्ता घर-घर जाकर जनता से संवाद स्थापित करेंगे तथा पार्टी की नीतियों, विचारधारा और पीडीए के सामाजिक न्याय के संदेश को जन-जन तक पहुंचाएंगे। महानगर अध्यक्ष हाजी फज़ल महमूद ने बताया कि पीडीए जनसंदेश यात्रा का उद्देश्य समाज के पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक, किसान, मजदूर, नौजवान और वंचित वर्गों की आवाज को मजबूत करना तथा उन्हें उनके संवैधानिक अधिकारों और सामाजिक भागीदारी के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा आम जनता के हितों की लड़ाई लड़ती रही है और आगे भी पूरी मजबूती के साथ जनता के मुद्दों को उठाती रहेगी। समाजवादी पार्टी के पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया है कि पीडीए जनसंदेश यात्रा के माध्यम से पार्टी का संदेश कैंट विधानसभा के प्रत्येक घर तक पहुंचेगा और सामाजिक न्याय, समानता तथा भाईचारे के विचार को और अधिक मजबूती मिलेगी। प्रमुख रूप से महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद,वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिन्टू, महासचिव संजय सिंह बंटी सेंगर,मुमताज मंसूरी, नंदलाल जयसवाल, शबाब अबरार, रजत मिश्रा,इशरत इराकी, आसिफ शाह आदि लोग प्रमुख रहे।

आवश्यक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं शाहरूफ खां पुत्र सगीर खां मो0 ग्वाल मंडी सीतापुर जनपद सीतापुर का निवासी हूं। मेरी पुत्री का नाम पूर्व में 'शाजफ़ा' दर्ज था, जिसे अब माता पिता के द्वारा बदलकर 'उसेदा फरहीन' कर दिया गया है। अब भविष्य में मेरी पुत्री को 'उसेदा फरहीन' नाम से ही जाना पहचाना एवं संबोधित किया जाए। 'शाजफ़ा' एवं 'उसेदा फरहीन' एक ही बच्ची का नाम हैं। मैं उसेदा फरहीन के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं। पिता का नामः शाहरूफ खान पुत्र सगीर खां निवासी मोहल्ला ग्वाल मंडी सीतापुर जनपद सीतापुर

सूचना

मेरी पुत्री का पुराना नाम आरवी गुप्ता है जबकि निजी कारण से मैंने उसका नाम अब बदलकर भाव्या गुप्ता रख दिया है। आधार कार्ड में भी भाव्या गुप्ता दर्ज है। त्रुटिवश पोस्ट ऑफिस के अभिलेख में मेरी पुत्री का नाम आरवी गुप्ता दर्ज हो गया है। मेरी पुत्री का सही नाम भाव्या गुप्ता है और वह इसी नाम से जानी और पहचानी जाती है।

विवेक कुमार पुत्र श्यामसुन्दर गुप्ता
निवासी मो. कुरैशी टोला
कस्बा परगना व तहसील
महमूदाबाद जिला सीतापुर

लखनऊ के पूर्व डीएसपी शैलेंद्र सिंह ने बैल से बिजली बनाने का अनूठा मॉडल, एक रुपये प्रति यूनिट आ रही लागत

● लखनऊ के पूर्व डीएसपी शैलेंद्र सिंह ने बैल से बिजली बनाने का एक अनूठा मॉडल विकसित किया है, जिसकी लागत मात्र एक रुपये प्रति यूनिट है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। ईरान, इजरायल-अमेरिका के बीच युद्ध से दुनिया ग्रीन एनर्जी के विकास को लेकर सजग हुई है। हमारे देश में भी सौर ऊर्जा को लेकर लगातार काम किया जा रहा है। इन सबके बीच लखनऊ में गोसाईगंज के सिद्धपुरा गांव में पूर्व डीएसपी शैलेंद्र सिंह ने बैल से बिजली बनाने का अनूठा मॉडल तैयार किया है। वह फ्लाईव्हील, गियरबाक्स एवं ग्रेविटी तकनीक के जरिए प्रतिदिन आठ घंटे में 80 यूनिट बिजली उत्पादन कर रहे हैं। फिलहाल वे उतनी ही बिजली बनाते हैं, जितनी उन्हें आवश्यकता है। विशेष बात यह है कि इस मॉडल से बिजली उत्पादन की लागत एक रुपये प्रति यूनिट आती है, जो सोलर से भी सस्ती है। पूर्व डीएसपी शैलेंद्र सिंह सिद्धपुरा में मई 2017 से 'श्री ग्राम धाम गोशाला' चला रहे हैं। वर्तमान में उनके पास 250 से अधिक गाएं और बैल हैं। वह गायों का दूध तो बेचते ही हैं, गोबर और मूत्र का भी सदुपयोग करते हैं। गोबर का उपयोग गोबर गैस प्लांट में करते हैं, जबकि मूत्र को शोधित कर उसकी भी बिक्री करते हैं। उनके पास कई ऐसे बैल हैं, जो सड़कों पर मारे-मारे फिरते थे। अब उनके यहां वही बैल बिजली बनाने में अहम योगदान दे रहे हैं। शैलेंद्र सिंह बताते हैं कि हमने पारंपरिक ज्ञान को नई तकनीक के साथ मिलाकर 'फ्लाईव्हील' कांसेप्ट बनाया है। यह सिस्टम फ्लाईव्हील, गियरबाक्स एवं ग्रेविटी तकनीक पर आधारित है, जिसमें बैलों की चलने की शक्ति को ऊर्जा में बदला जाता है। एक बैल से करीब पांच किलोवाट और सोलर के साथ हाईब्रिड करने पर 10 किलोवाट तक बिजली उत्पादन संभव है। इसी ऊर्जा से उनके फार्म पर सिंचाई, आटा चक्की, कोल्हू और लाइटिंग जैसी सभी जरूरतें पूरी हो रही हैं। वह दो-दो घंटे की शिफ्ट में एक बैल से औसतन आठ घंटे काम लेते हैं। इससे 80 यूनिट बिजली बनाते हैं। इस बिजली को बेचने के लिए फिलहाल ग्रिड की व्यवस्था नहीं है। भविष्य में ग्रिड होने पर वह अधिक ऊर्जा का उत्पादन कर सकते हैं।

क्या है फ्लाईव्हील तकनीक

पूर्व डीएसपी शैलेंद्र सिंह ने बताया कि उनके संयंत्र में एक बड़ा व्हील लगा हुआ है। इससे अल्टरनेटर जोड़ा गया है। व्हील एक कोन पर लगा है।

फ्लाईव्हील को सोलर चालित मोटर और गियर बाक्स से जोड़ा गया है। फ्लाईव्हील पर बैल को खड़ा किया जाता है। उनके आगे चारा रखा रहता है। सोलर वाले मोटर से व्हील चलती है और उस पर बैल चलता है। बैल व्हील पर रखे चारे को खाता रहता है और ट्रेड मिल की तरह एक ही स्थान पर आराम से चलता रहता है। इसमें 20 प्रतिशत ऊर्जा सोलर और 80 प्रतिशत ऊर्जा बैल की लगती है। अल्टरनेटर 1500 रिवोल्यूशन पर मिनट (आरपीएम) मैकेनिकल पावर को इलेक्ट्रिकल पावर में बदल देता है।

फ्लाईव्हील जब तक गतिमान रहती है, तब तक बिजली बनती रहती है। यह पूरी दुनिया में सबसे अलग मॉडल है। इस संयंत्र में लगा गियर बाक्स का भारत और जेनेवा में 2023 में पेटेंट भी हो चुका है।

लखनऊ में पेपर लीक के खिलाफ एनएसयूआई का प्रदर्शन, पुलिस ने कार्यकर्ताओं को रोका

● नीट समेत विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक के विरोध में एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने लखनऊ में प्रदर्शन किया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोका, कुछ को घसीटकर बस में बैठाया और बाद में छोड़ दिया।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। नीट, लेखपाल और एसआई परीक्षा सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लीक होने के विरोध में जनभवन का घेराव करने जा रहे भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के कार्यकर्ताओं को पुलिस घसीटकर ले गई। प्रदर्शनकारियों को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय के पास ही पुलिस ने बैरिकेडिंग करके रोक लिया। इसके बाद जब बैरिकेडिंग फांदने वाले कार्यकर्ताओं को पुलिस ने घसीटकर बस में बैठा लिया और इको गार्डेन के पास लेकर छोड़ दिया। एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ व मध्य जोन के अध्यक्ष अनस रहमान के नेतृत्व में प्रदर्शनकारी छात्रों ने पिछले दिनों गिरफ्तार किए गए अपने साथियों की रिहाई की भी मांग की। पुलिस ने कांग्रेस मुख्यालय से आने वाले चारों मार्गों पर बैरिकेडिंग कर रखी थी। दोपहर एक बजे एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने रोष मार्च शुरू किया। इसी दौरान 100 मीटर आगे लगाई गई बैरिकेडिंग पर कुछ कार्यकर्ता चढ़ गए और बैरीकेडिंग टूट गई इसके कुछ कार्यकर्ता चोटिल हो गए। कुछ कार्यकर्ता बैरीकेडिंग फांदने में कामयाब रहे उन्हें पुलिस ने घसीटकर बस में बैठा लिया। एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि पेपर लीक की जिम्मेदारी लेते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री को इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि पेपर लीक की वजह से जिन परिवारों ने अपने बच्चों को खो दिया है हम उन परिवारों से मिले और उनका दर्द बांटा। उन्होंने मांग की है मृतक छात्रों के परिजनों को आर्थिक मुआवजा दिया जाए।

जीत वेलफेयर फाउंडेशन, की आवश्यक बैठक सम्पन्न, आठवें वार्षिकोत्सव की रूपरेखा पर हुई चर्चा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)- जीत वेलफेयर फाउंडेशन, उ0प्र0 समाजसेवी संस्था एवं डिजिटल न्यूज़ नेटवर्क JWF न्यूज़ चैनल के पदाधिकारियों, सदस्यों एवं संवाददाताओं की एक आवश्यक बैठक शाखा कार्यालय, लालगंज में आयोजित की गई। बैठक में संस्थान एवं न्यूज़ चैनल से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान संस्थान के आगामी आठवें वार्षिकोत्सव समारोह को लेकर विशेष विचार-विमर्श किया गया तथा कार्यक्रम की प्रारंभिक रूपरेखा तैयार की गई। पदाधिकारियों द्वारा आयोजन को भव्य एवं जनहितकारी स्वरूप प्रदान करने के लिए विभिन्न सुझाव प्रस्तुत किए गए। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि संस्था द्वारा प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी समाज में सक्रिय रूप से जनसेवा, सामाजिक जागरूकता, शिक्षा, स्वास्थ्य, पत्रकारिता एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया जाएगा। संस्था ने ऐसे समाजसेवियों एवं जनहित में कार्य करने वाले सक्रिय प्रहरियों को सम्मानित कर उनके कार्यों को प्रोत्साहित करने का संकल्प दोहराया। संस्थान के पदाधिकारियों ने कहा कि जीत वेलफेयर फाउंडेशन निरंतर समाजहित एवं जनकल्याण के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाता रहा है और भविष्य में भी समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद वर्गों के उत्थान के लिए कार्य करता रहेगा। इस अवसर पर संस्था संस्थापक/अध्यक्ष जितेंद्र सविता, रायबरेली जिला अध्यक्ष गौरी शंकर यादव, उपाध्यक्ष अंकुर श्रीवास्तव, महासचिव आदर्श द्विवेदी,उपसचिव सूरज कुमार, प्रभारी चंदर,विधिक सलाहकार रोशन कुमार वर्मा (अधिवक्ता),प्रवक्ता अमित कुमार, मीडिया प्रभारी विशाल मौर्य, प्रभारी कुलदीप कश्यप, सदस्य मंदीप कुमार, अनिल कुमार गुप्ता आदि लोग मौजूद रहे।

दुकान पर चाय पी रहे दंपति को बाइक ने मारी टक्कर, चार घायल

लालगंज (रायबरेली)। उन्नाव हाईवे पर सैमसी गांव के पास रविवार को तेज रफ्तार बाइक ने सड़क किनारे चाय पी रहे दंपति को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दंपति समेत चार लोग घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। महिला की हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया। डलमऊ के इंदेमऊ निवासिनी सुमन अपने पति राम सिंह के साथ मायके सातनपुर जा रही थीं। रास्ते में सैमसी गांव के पास हाईवे किनारे एक दुकान पर दोनों चाय पीने के लिए रुके थे। इसी दौरान सातनपुर निवासी बाइक सवार धीरज और मंगल तेज गति से वहां पहुंचे और अनियंत्रित होकर दंपति को टक्कर मार दी। हादसे में सुमन व उसके पति राम सिंह, धीरज और मंगल घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने सभी घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद सुमन की हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। अन्य घायलों का अस्पताल में उपचार किया जा रहा है।

अखिलेश यादव की बेटी पर टिप्पणी निंदनीय, आरोपी होंगे गिरफ्तार

● भाजपा MLC शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने सुल्तानपुर में कहा, जेल भी जाएंगे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुल्तानपुर - भाजपा एमएलसी शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने रविवार को पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की बेटी पर की गई अभद्र टिप्पणी को 'बहुत निंदनीय कार्य' बताया। उन्होंने कहा कि बेटियों का सम्मान होना चाहिए, चाहे वे किसी की भी हों। एमएलसी सिंह ने जानकारी दी कि मुख्यमंत्री ने इस मामले में एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है, जो दर्ज कर ली गई है। उन्होंने यह भी कहा कि आरोपी पकड़े जाएंगे और उन्हें जेल भी जाना होगा। एक अन्य सवाल के जवाब में, एमएलसी शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने बल्दीराय में किराए पर चल रहे रजिस्ट्री कार्यालय और अधिवक्ताओं के लिए हॉल की व्यवस्था पर बात की। उन्होंने कहा कि ये महत्वपूर्ण कार्य हैं और उम्मीद है कि यह मांग जल्द पूरी हो जाएगी। सिंह ने आश्वासन दिया कि वह इस मुद्दे को प्रभारी मंत्री के संज्ञान में लाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रभारी मंत्री मुख्यमंत्री से इस विषय पर चर्चा करेंगे ताकि समाधान निकाला जा सके। इसी दिन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में इसौली विधानसभा क्षेत्र के विकास खंड बल्दीराय सभागार में 'सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण' को समर्पित एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विधान परिषद सदस्य शैलेन्द्र प्रताप सिंह मुख्य अतिथि के रूप में और भाजपा जिला उपाध्यक्ष चंदन नारायण सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के तहत बल्दीराय सभागार में एक स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया गया, जहाँ लोगों को स्वास्थ्य संबंधी परामर्श और जांच की सुविधाएँ प्रदान की गई। इससे पहले, एमएलसी शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने अपनी विधायक निधि से 10 लाख रुपये की लागत से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के लिए उपलब्ध कराए गए 10 हॉर्स पावर क्षमता के जनरेटर का उद्घाटन किया। इस जनरेटर से बिजली आपूर्ति बाधित होने पर भी स्वास्थ्य सेवाएँ सुचारु रूप से चल सकेंगी। इस अवसर पर वक्ताओं ने प्रधानमंत्री मोदी के पिछले 12 वर्षों के कार्यकाल में हुए विकास कार्यों, जन-कल्याणकारी योजनाओं और सुशासन की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। साथ ही, केंद्र सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने का संकल्प भी दोहराया गया।

अंतर्जनपदीय चोर गिरोह के 4 सदस्य गिरफ्तार, लाखों के जेवरात, नकदी बरामद

●पुलिस टीम को 25 हजार इनाम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुल्तानपुर पुलिस ने अपराध नियंत्रण अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर थाना कुड़वार पुलिस, एसओजी और सर्विलांस की संयुक्त टीम ने मुखबिर की सूचना पर अंतर्जनपदीय चोर गिरोह के चार शातिर सदस्यों को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी 14 जून को दोपहर करीब 03:40 बजे फिरोजपुर कलां तिराहा, थाना कुड़वार से की गई। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से भारी मात्रा में चोरी का माल बरामद किया है। इस सफलता के लिए पुलिस टीम को 25,000 रुपये का इनाम भी दिया गया है। पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वे चोरी करने से पहले लक्ष्य वाले मकान की रेकी करते थे। कई दिनों तक आने-जाने के रास्तों और सीसीटीवी कैमरों की निगरानी की जाती थी। पकड़े जाने से बचने के लिए वे घटना के समय अपने मोबाइल फोन साथ नहीं ले जाते थे या उन्हें स्विच ऑफ करके दूर रख देते थे। वे घर के सदस्यों के सो रहे होने के बावजूद अत्यंत शातिर तरीके से चोरी को अंजाम देकर फरार हो जाते थे। चोरी की गई चांदी को खपाने और सोने-चांदी को गलाने में सुल्तानपुर के पंजाबी कॉलोनी निवासी जौहरी मनीष जायसवाल उनकी मदद करता था। मनीष जायसवाल ही चोरी के आभूषणों को बेचकर अपना हिस्सा रखता था और बाकी पैसे गिरोह में बांटता था। फिलहाल कुछ चोरियों के माल के साथ मनीष जायसवाल फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस दबिश दे रही है। सभी मुकदमों में धाराएं बढ़ाई गई हैं। इस गिरोह की गिरफ्तारी से सुल्तानपुर और प्रतापगढ़ जिले की कई बड़ी चोरियों का खुलासा हुआ है। इनमें कोतवाली नगर (सुल्तानपुर) शाहगंज में डॉ. संजय मिश्रा के मकान में हुई चोरी, थाना जयसिंहपुर (सुल्तानपुर) के जगदीशपुर व बहली ग्राम में लगातार तीन चोरियां, और थाना कुड़वार (सुल्तानपुर) क्षेत्र में हुई दो अन्य चोरियां शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, जनपद प्रतापगढ़ (थाना कोतवाली नगर व अन्तू) के पूरे ईश्वरनाथ व डंगरी दूबेपुर में हुई चोरियां भी सुलझाई गई हैं, जिनके सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस को मिले थे। जनपद प्रतापगढ़ के थाना कोतवाली नगर व अन्तू (पूरे ईश्वरनाथ व डंगरी दूबेपुर) में हुई चोरियां भी इस गिरोह ने की थीं। प्रतापगढ़ की इन चोरियों के सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस को मिले थे। पकड़े गए आरोपियों में से तीन सुल्तानपुर के नामी हिस्ट्रीशीटर हैं, जिन पर पहले से दर्जनों मुकदमे दर्ज हैं। जावेद अहमद निवासी घरहा कला, सुल्तानपुर (हिस्ट्रीशीटर-12) इसके खिलाफ गैंगस्टर एक्ट सहित कुल 34 गंभीर मामले दर्ज हैं। अजीम कुरैशी निवासी लाला का पुरवा, नॉर्मल चौराहा, सुल्तानपुर (हिस्ट्रीशीटर - 143) इसके खिलाफ 23 मुकदमे दर्ज हैं। मो0 आदिल निवासी डिहवा कला, सुल्तानपुर (हिस्ट्रीशीटर - 136) इसके खिलाफ 27 मुकदमे दर्ज हैं। अजय कुमार कोरी निवासी डिहवा राहुल चौराहा, सुल्तानपुर इसके खिलाफ 6 मुकदमे दर्ज हैं।

16 जून को आयोजित होगी मण्डलीय औद्यानिक उन्नयन उद्यान गोष्ठी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रायबरेली- जिला उद्यान अधिकारी जयराम वर्मा ने बताया है कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री जी कार्यकाल के 12 साल एवं उ0प्र0 के मा0 मुख्यमंत्री जी के 9 साल विश्वास, विकास एवं जन-कल्याण के तथा प्रगति के पथ पर उद्यान के स्वर्णिम 51 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 16 जून 2026 दिन मंगलवार को प्रातः 10 बजे महावीर सिंह स्मारक महाविद्यालय, कठवारा, हरचन्दपुर, जनपद रायबरेली में मण्डलीय औद्यानिक उन्नयन गोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें लखनऊ, अयोध्या तथा प्रयागराज मण्डल के क्रमशः लखनऊ, उन्नाव, रायबरेली, अमेठी, बाराबंकी, फतेहपुर, प्रतापगढ़, कौशाम्बी, जनपदों के बड़ी संख्या में किसान, निर्यातक, एफ0पी0ओ0, एस0एच0जी0, एवं महिला स्वयं सहायता समूह एवं अन्य उद्यमी प्रतिभाग करेगें, गोष्ठी के मुख्य अतिथि के रूप में मा0 राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार), उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार तथा कृषि निर्यात, उत्तर प्रदेश सरकार दिनेश प्रताप सिंह होगें। साथ ही इस गोष्ठी में उद्यान विभाग के शासन एवं विभाग के उच्चाधिकारी, कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक, गोष्ठी में सम्मिलित जनपदों के सम्बन्धित अधिकारीगण भी सम्मिलित होगें। गोष्ठी में प्रदेश/जनपद में चलायी जा रही कृषक हितैषी योजनाओं से सम्बन्धित व अन्य तकनीकी जानकारी प्रदान की जायेगी। साथ ही औद्यानिक/कृषि के क्षेत्र में यथा संरक्षित खेती, सिंचाई की अत्याधुनिक विधियों एवं उर्वरक तथा पौध रक्षा रसायन, निर्माता कम्पनियों द्वारा भी प्रतिभाग कर अपने उत्पादों के सम्बन्ध के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की जायेगी। उद्यान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कृषकों/उद्यमियों को सम्मानित एवं पुरस्कृत भी किया जायेगा।

युवक पर फावड़ा से हमला करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

निर्माण कार्य के दौरान विवाद में युवक पर फावड़े से हमला, हालत गंभीर

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के पूरे चंदूलाल का पुरवा मजरे अंबारा पश्चिम गांव में युवक पर फावड़ा से हमला करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उन्हें जेल भेज दिया। पुलिस ने मामले में हत्या के प्रयास की धारा बढ़ाते हुए कार्रवाई की है। गांव निवासी हीरालाल घर में निर्माण कार्य करा रहे थे। इसी दौरान गांव के अमरनाथ और चंद्रकांत से विवाद हो गया। आरोप है कि दोनों ने मारपीट शुरू कर दी। मारपीट के दौरान आरोपियों ने हीरालाल के बेटे सुनील के सिर पर फावड़ा से वार कर दिया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सीएचसी पहुंचाया। डॉक्टरों ने सुनील की हालत गंभीर देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वहां उसका इलाज चल रहा है। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि मामले में दर्ज मुकदमे में हत्या के प्रयास की धारा बढ़ाई गई है। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर मेडिकल कॉलेज गोंडा में तीन दिवसीय वृहद स्वास्थ्य मेले का शुभारंभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोंडा। केंद्र सरकार के सफलतापूर्वक 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मेडिकल कॉलेज गोंडा में स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय वृहद स्वास्थ्य शिविर एवं स्वास्थ्य मेले का शुभारंभ जनपद के प्रभारी मंत्री आशीष पटेल ने किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का अवलोकन किया तथा पात्र लाभार्थियों को आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत आयुष्मान कार्ड वितरित कर योजना के लाभों से अवगत कराया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का उद्देश्य अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच सुनिश्चित करना है। आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे लाखों लोगों को आर्थिक संबल मिला है।शुभारंभ के उपरांत प्रभारी मंत्री ने स्वास्थ्य मेले में लगाए गए विभिन्न विभागों के स्टॉलों का निरीक्षण किया तथा आमजन को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं, जांच सुविधाओं एवं जागरूकता कार्यक्रमों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविर में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं एवं आवश्यक परामर्श उपलब्ध कराया जाए।इस अवसर पर विधायक मनकापुर रमापति शास्त्री, विधायक तरबगंज प्रेम नारायण पाण्डेय, विधायक कटरा बाजार बावन सिंह, विधायक मेहनौन विनय कुमार द्विवेदी, विधायक गौरा प्रभात वर्मा, जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, सांसद गोंडा एवं केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री के प्रतिनिधि रमाशंकर मिश्र, सांसद कैसरगंज के प्रतिनिधि संजीव सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष, अपना दल जिलाध्यक्ष सहित विभिन्न विभागों के अधिकारीगण, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। तीन दिवसीय इस वृहद स्वास्थ्य मेले में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण, परामर्श, विभिन्न रोगों की जांच, आयुष्मान कार्ड निर्माण एवं स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे जिले के हजारों नागरिक लाभान्वित होंगे। वेंकटाचार्य क्लब में कृषि विभाग द्वारा आयोजित खरीफ उत्पादकता गोष्ठी का प्रभारी मंत्री ने शुभारंभ किया एवं विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का अवलोकन किया। प्रभारी मंत्री ने विधायकगण के साथ गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की एवं बच्चों का अन्नप्रासन कराया। इससे पहले प्रधानमंत्री ने केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य पर सर्किट हाउस में प्रेस वार्ता कर सरकार की उपलब्धियां को गिनाया। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सर्किट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए जनपद के प्रभारी मंत्री आशीष पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देश ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं, जिनका व्यापक लाभ जनपद गोंडा को भी प्राप्त हुआ है।उन्होंने बताया कि वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत 14.22 लाख से अधिक बैंक खाते खोले गए हैं। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना तथा अटल पेंशन योजना के माध्यम से लाखों लोगों को सामाजिक सुरक्षा का लाभ मिला है। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में 86 हजार से अधिक परिवारों को पक्के आवास उपलब्ध कराए गए हैं। प्रभारी मंत्री ने कहा कि किसान कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत 4.45 लाख किसानों को ?1958 करोड़ की सहायता सीधे उनके खातों में भेजी गई है। फसल बीमा, कृषि सिंचाई, पीएम-कुसुम, किसान क्रेडिट कार्ड, मृदा स्वास्थ्य कार्ड तथा किसान पाठशाला जैसी योजनाओं से कृषि उत्पादन एवं किसानों की आय में वृद्धि हुई है। जनपद में खाद्यान्न उत्पादन 8.43 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर 9.34 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच गया है।उन्होंने बताया कि आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत 7.73 लाख से अधिक कार्ड बनाए गए हैं तथा लाखों लोगों को निःशुल्क उपचार का लाभ मिला है।

डिजिटल निगरानी से मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में रुका फर्जीवाड़ा, करोड़ों की बचत

● मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में आधार आधारित सत्यापन और डाटा मिलान से फर्जीवाड़े पर रोक लगी है। इससे 42,781 अपात्र आवेदन निरस्त हुए और सरकार के 427 करोड़ रुपये से अधिक बचे।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

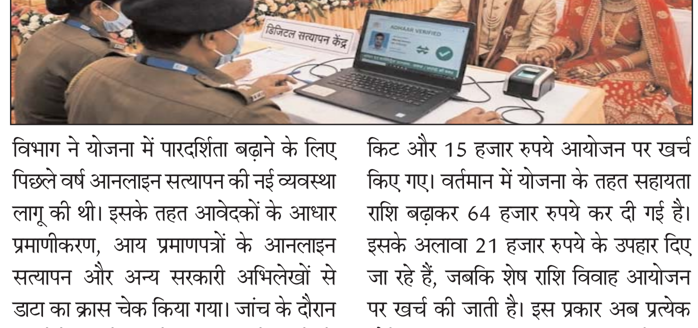

लखनऊ। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में वर्षों से सामने आ रही अनियमितताओं और फर्जी आवेदनों पर अब तकनीक की मदद से प्रभावी अंकुश लगा है। आधार आधारित सत्यापन, बायोमेट्रिक जांच और विभिन्न सरकारी डाटाबेस के मिलान की व्यवस्था लागू होने के बाद वित्तीय वर्ष 2025-26 में 42,781 अपात्र आवेदनों को समय रहते निरस्त कर दिया गया। इससे सरकार को करीब 427.81 करोड़ रुपये के संभावित फर्जी भुगतान से बचाया जा सका। समाज कल्याण विभाग ने योजना में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए पिछले वर्ष आनलाइन सत्यापन की नई व्यवस्था लागू की थी। इसके तहत आवेदकों के आधार प्रमाणीकरण, आय प्रमाणपत्रों के आनलाइन सत्यापन और अन्य सरकारी अभिलेखों से डाटा का क्रास चेक किया गया। जांच के दौरान कई ऐसे मामले सामने आए, जिनमें पहले से विवाहित जोड़ों ने योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन किया था। ऐसे सभी आवेदन निरस्त कर दिए गए। विभागीय आंकड़ों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 में सत्यापन प्रक्रिया पूरी होने के बाद 76,522 पात्र जोड़ों का विवाह मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत कराया गया। उस समय लागू व्यवस्था के अनुसार प्रत्येक लाभार्थी दुल्हन के बैंक खाते में 60 हजार रुपये की सहायता राशि भेजी गई, जबकि 25 हजार रुपये की वैवाहिक सामग्री किट और 15 हजार रुपये आयोजन पर खर्च किए गए। वर्तमान में योजना के तहत सहायता राशि बढ़ाकर 64 हजार रुपये कर दी गई है। इसके अलावा 21 हजार रुपये के उपहार दिए जा रहे हैं, जबकि शेष राशि विवाह आयोजन पर खर्च की जाती है। इस प्रकार अब प्रत्येक जोड़े पर सरकार लगभग एक लाख रुपये व्यय कर रही है।

समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने कहा कि योजना का लाभ केवल वास्तविक और जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचे, इसके लिए तकनीक का व्यापक उपयोग किया जा रहा है। डिजिटल सत्यापन व्यवस्था से न केवल पारदर्शिता बढ़ी है, बल्कि जवाबदेही भी सुनिश्चित हुई है। भविष्य में भी फर्जीवाड़े पर रोक लगाने के लिए निगरानी तंत्र को और मजबूत किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

शहर में लूटपाट करने वाले 3 युवक गिरफ्तार, 13 मोबाइल फोन और 5 मोटरसाइकिल बरामद

लुधियाना: पुलिस कमिश्नर लुधियाना के निर्देश पर चलाए जा रहे स्पेशल ऑपरेशन के तहत फोकल पॉइंट थाने की पुलिस ने शहर में लूटपाट करने वाले तीन युवकों को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। पुलिस द्वारा अपर मंगली इलाके में की गई नाकाबंदी के दौरान मोटरसाइकिल पर सवार तीन संदिग्ध युवकों को रोका गया। पूछताछ और तलाशी के दौरान उनके पास से 13 मोबाइल फोन और 5 मोटरसाइकिल बरामद की गईं, जिनमें 3 बिना रजिस्ट्रेशन वाली मोटरसाइकिलें शामिल हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मनजिंदर सिंह उर्फ विक्की, दीपक सिंह उर्फ दीपू और मनप्रीत सिंह उर्फ पप्पू के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी बरामद सामान के बारे में कोई कानूनी दस्तावेज नहीं दिखा सके। इस संबंध में फोकल पॉइंट थाने में विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों से गहराई से पूछताछ की जा रही है और और भी अहम खुलासे होने की संभावना है।

शहर में लूटपाट करने वाले 3 युवक गिरफ्तार, 13 मोबाइल फोन और 5 मोटरसाइकिल बरामद

लुधियाना: पुलिस कमिश्नर लुधियाना के निर्देश पर चलाए जा रहे स्पेशल ऑपरेशन के तहत फोकल पॉइंट थाने की पुलिस ने शहर में लूटपाट करने वाले तीन युवकों को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। पुलिस द्वारा अपर मंगली इलाके में की गई नाकाबंदी के दौरान मोटरसाइकिल पर सवार तीन संदिग्ध युवकों को रोका गया। पूछताछ और तलाशी के दौरान उनके पास से 13 मोबाइल फोन और 5 मोटरसाइकिल बरामद की गईं, जिनमें 3 बिना रजिस्ट्रेशन वाली मोटरसाइकिलें शामिल हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मनजिंदर सिंह उर्फ विक्की, दीपक सिंह उर्फ दीपू और मनप्रीत सिंह उर्फ पप्पू के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी बरामद सामान के बारे में कोई कानूनी दस्तावेज नहीं दिखा सके। इस संबंध में फोकल पॉइंट थाने में विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों से गहराई से पूछताछ की जा रही है और और भी अहम खुलासे होने की संभावना है।

दिल्ली में स्पा की आड़ में चल रहा था सेक्स रैकेट का कारोबार, पुलिस ने 5 महिलाओं को छुड़ाया; संचालक गिरफ्तार

दिल्ली। स्पा की आड़ में चल रहे सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ कर पहाड़गंज थाना पुलिस की टीम ने स्पा संचालक को गिरफ्तार करते हुए पांच महिलाओं को मुक्त कराया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान रामपुर के सावेद अली उर्फ शब्बीर के रूप में हुई है। जांच में सामने आया कि वह डीबीजी रोड स्थित ग्लैमर यूनिसेक्स सैलून एंड स्पा का संचालन और प्रबंधन कर रहा था और वहीं से देह व्यापार की गतिविधियों को संचालित किया जा रहा था। पुलिस ने मौके से कई आपत्तिजनक सामान बरामद किया है और मामले में आगे की जांच कर रही है। उपायुक्त रोहित राजबीर सिंह के मुताबिक, 13 जून को पहाड़गंज पुलिस को सूचना मिली थी कि डीबीजी रोड स्थित एक स्पा सेंटर में सेक्स रैकेट चलाया जा रहा है। सूचना के बाद तुरंत टीम बनाई गई। कांस्टेबल ललित को सादे कपड़ों में नकली ग्राहक बनाकर स्पा में भेजा गया। स्पा के भीतर कर्मचारियों ने उनसे पैसे की पेशकश की। इसके बाद कांस्टेबल ललित ने पहले से चिन्हित 1,800 की राशि स्पा संचालक को दी। जैसे ही तय संकेत मिला, पुलिस टीम ने मौके पर छापा मार दिया।

छापेमारी के दौरान पुलिस को स्पा में अवैध गतिविधियों के संचालन के प्रमाण मिले। उसके बाद मामला दर्ज कर सावेद अली उर्फ शब्बीर को गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने पांच महिलाओं को मुक्त कराया, जिनमें दो महिलाएं कोलकाता, एक बिहार के चंपारण और दो दिल्ली की रहने वाली हैं। मौके से पुलिस ने 4,200 नकद और कई आपत्तिजनक सामान बरामद किया है। फिलहाल यह पता लगाया जा रहा है कि इस रैकेट में और कौन-कौन लोग शामिल हैं।

अब एसआईटी करेगी श्रीराम मंदिर में चढ़ावे में घोटाले की जांच

● योगी सरकार ने गठित की टीम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावे की रकम में कथित गड़बड़ी का मामला अब गंभीर होता जा रहा है। मंदिर ट्रस्ट ने शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से पूरे मामले की जांच विशेष जांच दल (एसआईटी) से कराने की मांग की थी। इसके कुछ ही घंटों बाद राज्य सरकार ने तीन सदस्यीय एसआईटी का गठन कर दिया। एसआईटी में लखनऊ मंडल के आयुक्त विजय विश्वास पंत (आईएएस), आईजी रेंज किरन एस. (आईपीएस) और वित्त विभाग के विशेष सचिव नीलरतन को शामिल किया गया है। टीम को 7 दिनों के भीतर प्रारंभिक रिपोर्ट और 15 दिनों के अंदर अंतिम रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही भविष्य में ऐसी किसी भी संभावित अनियमितता को रोकने के लिए सुझाव भी देने होंगे। राम मंदिर के दानपात्र से धन के कथित गबन के मामले में जांच एजेंसियों ने बड़ी कार्रवाई करते हुए रुदौली क्षेत्र के मीनापुर ठकुरन फगौली गांव में छापेमारी की। इस दौरान आरोपी लवकुश मिश्रा के घर से करीब 10 लाख रुपये बरामद किए जाने की बात सामने आई है। कार्रवाई राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में की गई। बताया जा रहा है कि कुछ रकम गोबर में दबाकर छिपाई गई थी, जबकि बाकी पैसे एक बक्से में रखे मिले। लवकुश के पिता ने भी पैसे मिलने की पुष्टि की है। सूत्रों के अनुसार, लवकुश मंदिर में चढ़ावे की राशि की गणना करने का काम करता था। लवकुश के पिता बच्चूलाल मिश्रा ने बताया कि राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़े तीन-चार लोग उनके घर पहुंचे और ताला खोलकर नकदी अपने साथ ले गए। उनका कहना है कि उन्हें इस धन के बारे में कोई जानकारी नहीं थी क्योंकि वे लंबे समय से गाजियाबाद में रह रहे थे। बच्चूलाल ने यह भी कहा कि फैजाबाद में बन रहे मकान को लेकर जो चर्चाएं हो रही हैं, उनका उनके बेटे से कोई संबंध नहीं है। उनके अनुसार, मकान निर्माण के लिए उन्होंने पहले से खरीदी गई जमीन और लगभग 10-12 बीघा कृषि भूमि गिरवी रखी है। उन्होंने कहा, 'मेरा बेटा पिछले पांच-छह महीने से राम मंदिर में काम कर रहा था। उसे वहां नौकरी रवि मिश्रा ने दिलवाई थी, जो हमारे समधी हैं। फैजाबाद में बन रहा मकान हमारी मेहनत और जमीन गिरवी रखकर जुटाए गए पैसों से बन रहा है, उसका बेटे से कोई लेना-देना नहीं है।' लवकुश पहले कार मिस्त्री का काम करता था। शादी के बाद करीब एक वर्ष पहले उसे मंदिर ट्रस्ट में नौकरी मिली थी। गांव के लोगों का कहना है कि नौकरी मिलने के बाद उसकी आर्थिक स्थिति में अचानक बदलाव दिखाई देने लगा था। गांव में यह चर्चा भी है कि लवकुश ने कथित तौर पर कुछ नकदी गांव के एक घूर (कूड़े के ढेर) में छिपाकर रखी थी। स्थानीय लोगों का दावा है कि पुलिस ने वहां से भी एक बोरी में भरे रुपये बरामद किए हैं। हालांकि पुलिस की ओर से इस संबंध में आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। ग्रामीणों का कहना है कि लवकुश के बाबा जगदंबा मिश्रा अक्सर लोगों से कहते थे कि उनका नाती मंदिर में काम करता है और काफी पैसा कमा रहा है। इसी वजह से गांव में उसकी आर्थिक स्थिति को लेकर लंबे समय से चर्चा होती रही। उत्तर प्रदेश के अयोध्या जनपद में स्थित भव्य राम मंदिर के चढ़ावे में हुए कथित गबन और वित्तीय अनियमितता का मामला अब थमने के बजाय और अधिक तूल पकड़ता जा रहा है। मंदिर की साख, व्यवस्था और वित्तीय पारदर्शिता को लेकर अब राष्ट्रीय स्तर पर मंथन और बैठकों का दौर शुरू हो गया है। सूत्रों से मिली बेहद बड़ी जानकारी के अनुसार, इस पूरे मामले में चल रही प्रशासनिक जांच के बीच अब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने भी सीधे हस्तक्षेप करते हुए पूरे घटनाक्रम की विस्तृत रिपोर्ट तलब कर ली है।इस कथित घोटाले की आंच अब मंदिर परिसर में तैनात अमले पर भी पहुंचती दिख रही है। इस महाविवाद के बीच, बुधवार को अयोध्या के गलियारों में एक और सनसनीखेज चर्चा जोरों पर रही कि गबन की गई कुल राशि में से करीब डेढ़ करोड़ (1.5 करोड़) की नगदी कथित तौर पर बरामद कर ली गई है। इसके साथ ही, पकड़े गए संदिग्धों से पुलिस व खुफिया एजेंसियों की पूछताछ और उनके व्यक्तिगत बैंक खातों की डिटेल्स खंगालने का काम भी तेजी से जारी है। हालांकि, इस गबन के मामले में जब सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के स्थानीय शाखा प्रबंधक (मैनेजर) से संपर्क किया गया, तो उन्होंने कैमरे पर कुछ भी बोलने से साफ इन्कार कर दिया।सूत्रों का कहना है कि दान पेटियों से निकले पैसों की गिनती और उन्हें सीधे बैंक चेस्ट में जमा करने के काम में लगे कुछ बैंक कर्मियों की भूमिका की भी अंदरूनी जांच की जा रही है। फिलहाल, इस पूरे घटनाक्रम और डेढ़ करोड़ की बरामदगी की चर्चाओं पर राम मंदिर ट्रस्ट के मुख्य पदाधिकारियों ने अभी तक पूरी तरह से चुप्पी साध रखी है।

दिल्ली दंगों की साज़िश मामले में उमर खालिद और शरजील इमाम ने फिर दायर की ज़मानत अर्ज़ी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। उमर खालिद और शरजील इमाम ने दिल्ली कोर्ट में ज़मानत की अर्ज़ी दाखिल की। यह अर्ज़ी 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों के पीछे एक बड़ी साज़िश के मामले में है, जो UAPA के तहत दर्ज किया गया। कड़कड़डूमा कोर्ट के वेकेशन जज डॉ. सुमेध कुमार सेठी ने ज़मानत याचिकाओं पर नोटिस जारी किया और दिल्ली पुलिस से जवाब मांगा। इस मामले की सुनवाई 4 जुलाई को होनी है। इमाम और खालिद ने नियमित ज़मानत याचिकाएं तब दाखिल कीं, जब सुप्रीम कोर्ट की एक बेंच ने उन्हें ज़मानत न देने के फैसले पर सवाल उठाए। इमाम की ज़मानत याचिका में कहा गया कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के छह महीने से ज़्यादा समय बीत जाने के बाद भी ट्रायल की कार्यवाही में कोई खास प्रगति नहीं हुई। उनका तर्क है कि आरोप तय करने (चार्ज फ्रेमिंग) पर बहस अभी पूरी नहीं हुई। इस मामले में इमाम को लगभग छह साल की लंबी कैद का सामना करना पड़ रहा है। FIR 59/2020 की जांच दिल्ली पुलिस का स्पेशल सेल कर रहा है। यह मामला भारतीय दंड संहिता (IPC), 1860 और गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (UAPA), 1967 के तहत विभिन्न अपराधों के लिए दर्ज किया गया। इस मामले में आरोपी ताहिर हुसैन, उमर खालिद, खालिद सैफी, इशरत जहां, मीरान हैदर, गुलफिशा फातिमा, शिफा-उर-रहमान, आसिफ इकबाल तन्हा, शादाब अहमद, तस्लीम अहमद, सलीम मलिक, मो. सलीम खान, अतहर खान, सफूरा ज़रगर, शरजील इमाम, फैज़ान खान और नताशा नरवाल हैं।

गौहाटी उच्च न्यायालय बेंच की मांग को लेकर मेहरपुर में जागरूकता बैठक और हस्ताक्षर अभियान आयोजित

● 'मजबूत बराक वैली, मजबूत न्याय व्यवस्था' के नारे के साथ हाई कोर्ट बेंच स्थापना की मांग तेज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि- असम के बराक वैली में लंबे समय से चल रही गौहाटी उच्च न्यायालय की बेंच स्थापना की मांग को लेकर शुक्रवार को जागरूकता बैठक एवं विशाल हस्ताक्षर अभियान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य क्षेत्र में न्यायिक सुविधाओं को सुलभ बनाना तथा आम नागरिकों की न्याय तक पहुंच को और अधिक सशक्त करना बताया गया। यह कार्यक्रम डिमांड इम्प्लीमेंटेशन कमेटी, काछार जिला द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान वक्ताओं ने कहा कि बराक वैली की भौगोलिक दूरी, बढ़ते मुकदमों का दबाव तथा न्यायिक प्रक्रियाओं में आने वाली कठिनाइयों को देखते हुए यहां गौहाटी उच्च न्यायालय की स्थायी अथवा वैकल्पिक बेंच की स्थापना अत्यंत आवश्यक है। इससे न केवल समय और धन की बचत होगी, बल्कि न्याय प्रणाली अधिक प्रभावी और सुलभ बनेगी। कार्यक्रम के दौरान 'मजबूत बराक वैली, मजबूत न्याय व्यवस्था' के नारे लगातार गूंजते रहे। उपस्थित लोगों ने हस्ताक्षर अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए इस मांग को अपना समर्थन दिया। कार्यक्रम का आयोजन दुर्गा मंडप, शिवालिक पार्क, मेहरपुर में शाम लगभग 7 बजे किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। आयोजकों ने बताया कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा और इस मांग को सरकार एवं संबंधित न्यायिक प्राधिकरणों तक प्रभावी रूप से पहुंचाया जाएगा। यह मांग लंबे समय से क्षेत्र में उठाई जा रही है और स्थानीय लोगों के अनुसार यह न्यायिक सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है। कार्यक्रम में अधिवक्ता ध्रुव कुमार साहा, उदय शंकर गोस्वामी, महावीर जैन, रसराज दास, हारान दे, धर्मानंद देब, तुहिना शर्मा, अंजन स्वामी, अनिर्बान भोमिक सहित विशिष्ट व्यक्ति वर्ग मौजूद थे।

'किनारा चमकाने से यमुना का पानी नहीं होगा साफ',AAP ने BJP के सफाई अभियान पर कसा तंज

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने यमुना का किनारा साफ करने जमीन पर उतरे मंत्री प्रवेश वर्मा समेत पूरी भाजपा सरकार पर तंज कसा है। आप ने यमुना का किनारा साफ कर रहे प्रवेश वर्मा का वीडियो एक्स पर साझा कर कहा कि मां यमुना का सिर्फ किनारा चमकाने से दूषित पानी साफ नहीं होगा। पार्टी ने कहा कि गत दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा ने यमुना का पानी साफ करने का वादा किया था, सिर्फ किनारा करने की बात नहीं कही थी। आप ने आरोप लगाया कि दिल्ली में सरकार बनते ही भाजपा ने युद्ध स्तर पर यमुना की सफाई करने का खूब प्रचार करके वाहवाही लूटी थी, लेकिन डेढ़ साल में यमुना को जरा भी साफ नहीं कर पाई है। आज भी पानी काला ही है। आप ने कहा है कि जब भाजपा चुनाव जीतकर आई, तो मीडिया में बढ़-चढ़कर दिखाया गया कि सफाई का काम युद्ध स्तर पर चल रहा है। लेकिन हकीकत यह है कि जिस किनारे पर यह तथाकथित सफाई चल रही है, वहीं पर मां यमुना का पानी बेहद काला, दूषित और मैला है।

नारनौल पुलिस ने लुधियाना से पकड़ा हथियार सप्लायर

● 2024 में युवक को उपलब्ध कराए, हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट में फरार चल रहा था

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना- महेंद्रगढ़ जिला पुलिस ने अवैध हथियार तस्करों और वांछित अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। सीआईए नारनौल की टीम ने लंबे समय से फरार चल रहे एक अवैध हथियार सप्लायर और घोषित अपराधी (पीओ)को पंजाब के लुधियाना से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान कुलताजपुर निवासी भारत के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार वर्ष 2024 में अवैध हथियार रखने के मामले में गिरफ्तार एक आरोपी से पूछताछ के दौरान खुलासा हुआ था। कि उसे हथियार लुधियाना के भारत ने उपलब्ध कराया था। इसके बाद से ही सीआईए नारनौल की टीम आरोपी की तलाश में जुटी हुई थी। पुलिस टीम ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए उसके संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी और तकनीकी व गुप्त सूचनाओं के आधार पर आखिरकार उसे लुधियाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया।

दो मामलों में था पीओ घोषित

जांच में सामने आया कि आरोपी का अपराधिक रिकॉर्ड काफी पुराना है और वह लंबे समय से कानून से बचने के लिए फरार चल रहा था। थाना सदर नारनौल में दर्ज दो अलग-अलग मामलों में कोर्ट उसे पहले ही पीओ(पोक्लेम्ड ऑफेडर) घोषित कर चुकी थी।

हत्या के प्रयास का भी मामला

पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ वर्ष 2020 में हत्या के प्रयास का मामला दर्ज हुआ था।

इसके अलावा वर्ष 2021 में हत्या के प्रयास और आंर्म्र्स एक्ट से संबंधित एक अन्य मामला भी दर्ज है। इन दोनों मामलों में आरोपी अदालत में पेश नहीं हुआ और लगातार फरार रहा, जिसके चलते अदालत ने उसे पीओ घोषित कर दिया था।

यूथक्रिया संस्थापक राघब चंद्र नाथ ने कराटे खिलाड़ियों को दिया 'फिट बॉडी, फिट वर्ल्ड' का संदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

यूथक्रिया ग्लोबल ऑर्गेनाइजेशन के संस्थापक एवं गवर्निंग बॉडी प्रेसिडेंट राघब चंद्र नाथ ने जलपाईगुड़ी में कराटे खिलाड़ियों से मुलाकात कर उन्हें संगठन के विभिन्न सामाजिक एवं जनजागरण अभियानों की जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने युवाओं से स्वस्थ, नशामुक्त, स्वच्छ और पर्यावरण-संरक्षण आधारित जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में राघब चंद्र नाथ ने संगठन के चार प्रमुख अभियानों–यूथक्रिया फिट वर्ल्ड रिवोल्यूशन, यूथक्रिया ड्रग फ्री रिवोल्यूशन, यूथक्रिया ट्रैश क्लीन रिवोल्यूशन तथा यूथक्रिया ग्रीन रिवोल्यूशन–के उद्देश्यों और गतिविधियों पर प्रकाश डाला। यूथक्रिया ग्लोबल ऑर्गेनाइजेशन की गवर्निंग बॉडी सेक्रेटरी मानसी शर्मा ने बताया कि श्री नाथ ने खिलाड़ियों को नियमित व्यायाम कर शारीरिक रूप से फिट रहने, पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण करने, नशे से दूर रहने तथा स्वच्छता अभियानों में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा, 'पहले स्वयं को फिट बनाएं, फिर समाज और दुनिया को फिट एवं स्वस्थ बनाने में अपनी भूमिका निभाएं।' कार्यक्रम में उपस्थित कराटे खिलाड़ियों ने यूथक्रिया के अभियानों से जुड़कर गांव-गांव तक स्वास्थ्य, स्वच्छता, नशामुक्ति और पर्यावरण संरक्षण का संदेश पहुंचाने का संकल्प लिया। आयोजन के दौरान युवाओं में सामाजिक जिम्मेदारी और सकारात्मक बदलाव के प्रति उत्साह देखने को मिला। यह संस्करण राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्रों की औपचारिक रिपोर्टिंग शैली के अनुरूप तैयार किया गया है।

नेपाल में मादक पदार्थों की तस्करी का शक, दो भारतीय गिरफ्तार

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक स्वतंत्र प्रभात www.swatantraprabhat.com
जो लिखेगा, वही टिकेगा
ब्रेकिंग न्यूज़

काठमांडू। नेपाल में मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें दो भारतीय नागरिक हैं। नेपाल पुलिस ने शनिवार को बिहार के सीतामढ़ी जिले के रहने वाले दो भारतीय नागरिकों अहमद लादन और मोहम्मद सद्दाम को गिरफ्तार किया। पुलिस ने एक नेपाली नागरिक जितेंद्र पासवान को भी गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा जांच के दौरान न रुकने पर पुलिस ने संदिग्धों पर गोली चलाई, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया। संदिग्धों के पास से ट्रॉमाडोल (एक तरह की दवा जिसका इस्तेमाल दर्द निवारक और नशे के लिए किया जाता है) के लगभग 30,000 कैप्सूल बरामद किए गए। संदिग्धों द्वारा इस्तेमाल कार और मोटरसाइकिल के साथ-साथ पांच मोबाइल फोन जब्त किए गए।

'हैरी बॉक्सर गिरोह', जो स्पेशल सेल और हरियाणा STF के लिए बन रहा चुनौती

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। पश्चिम दिल्ली और हिसार में बीते बृहस्पतिवार को कुख्यात गैंग्सटर हैरी बाक्सर के शूटरों द्वारा दो जिम के बाहर अंधाधुंध फायरिंग कराने के मामले में चार दिन बाद भी पुलिस के शूटरों को नहीं पकड़ पाई है। अमेरिका में छिपे हैरी के निर्देश पर उसके दो शूटरों ने पहले पश्चिम विहार में तड़के 4.45 बजे बालीवुड सिंगर गुरु रंधावा के जिम के बाहर सात राउंड फायरिंग की थी। उसके कुछ ही देर बाद तड़के करीब 5.25 बजे बाइक सवार दो बदमाशों ने हिसार के हांसी में जिम ट्रेनर कपिल रेधू की जिम के बाहर नौ गालियां मारकर हत्या कर दी थी। घटना के कुछ घंटे के बाद हैरी के फरार शूटर अनिल पंडित और फिर बाक्सर ने खुद तीन मिनट का आडियो मैसेज भेजकर दोनों वारदात कराने की जिम्मेदारी ली थी। इन दोनों घटनाओं से यह साफ है कि हैरी बाक्सर गिरोह एक बार फिर हरियाणा एसटीएफ और स्पेशल सेल के लिए चुनौती बन गया है। हांसी में कपिल रेधू जब सुबह के समय जिम पर पहुंचा था तभी बाइक से आए दो बदमाशों ने उनपर दस गालियां चला दी थी, नौ गोलियां लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई थी। हिसार पुलिस ने दोनों शूटरों की पहचान भी कर ली है। वे दोनों हिसार के ही रहने वाले हैं। बाइक चोरी की थी जिसे बरामद कर ली गई है। वारदात के बाद राजगढ़ रेलवे स्टेशन पर बाइक छोड़कर वे जयपुर की तरफ भाग गए थे। पश्चिम दिल्ली में गोलियां चलाने वाले शूटरों की पुलिस पहचान नहीं कर पाई है।

हैरी का असली नाम हरि चंद जाट

जानकारी के मुताबिक हैरी का असली नाम हरि चंद जाट है जो राजस्थान के अलवर जिले का रहने वाला है।

सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि लारेंस के जेल में होने के कारण वह विदेश से गिरोह को चला रहा है। पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या के मामले में दायर आरोपपत्र में नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने कहा था कि लॉरेंस गिरोह के पास पूरे भारत में लगभग 800 शूटर है। उस समय, गोल्डी बराड़ को लारेंस का दाहिना हाथ माना जाता था और वह मूसेवाला की हत्या की साज़िश रचने में शामिल था। पुलिस अधिकारी का कहना है कि हांसी और पश्चिमी दिल्ली के बीच की दूरी करीब 130 किलोमीटर है। इसलिए दोनों मामले में दो अलग-अलग शूटर हो सकते हैं।

अभिनेता सलमान खान से दूर रहने की चेतावनी दी

बृहस्पतिवार को हैरी के तीन मिनट के आडियो मैसेज में उसने दावा किया कि रंधावा को बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान से दूर रहने की चेतावनी दी थी, और सिंगर द्वारा उसकी सलाह को नज़रअंदाज़ करने के बाद फायरिंग कराने की बात कही थी। उसी मैसेज में बाक्सर ने यह भी दावा किया था कि कपिल

रेधू की हत्या इसलिए की गई क्योंकि वह शेखपुरा और धानी पूर्णिया में हाल ही में हुई गोलीबारी की साज़िश में शामिल था। पुलिस अभी ऑडियो रिकार्डिंग की सच्चाई का पता लगा रही है। दोनों राज्यों की पुलिस टीमें शूटरों के बारे में पता लगाने में जुटी हुई हैं। बाक्सर दिल्ली में छह मामलों में वांटेड है, जिनमें व्यापारियों और जिम मालिकों को निशाना बनाकर रंगदारी मांगने और फायरिंग की घटनाएं शामिल हैं।

एक बिजनेसमैन से पांच करोड़ की रंगदारी मांगी

पिछले साल अगस्त में भी हैरी ने दिल्ली के एक बिजनेसमैन से पांच करोड़ की रंगदारी मांगी थी, जिसके बाद स्पेशल सेल ने उसके दो शूटरों को गिरफ़्तार कर लिया था। बाक्सर पर पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में 25 से ज़्यादा आपराधिक मामले दर्ज हैं। कनाडा में कॉमेडियन कपिल शर्मा के कैफे पर गोलीबारी के बाद पहली बार अगस्त में बाक्क्सर का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आया था।

पार्किंग विवाद में ट्रक ड्राइवर ने लात-घूंसों से पीटा, पीड़ित ने 4 दिन बाद तोड़ा दम

दिल्ली। बाहरी दिल्ली में सिरसपुर के धर्मकांटा पर दो ट्रक ड्राइवर के बीच पार्किंग को लेकर हुए विवाद ने हिसंक रूप ले लिया। एक ड्राइवर ने दूसरे को लात-घूंसों से इस कदर पीटा कि चार दिन बाद अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी ट्रक ड्राइवर को लोनी (गाजियाबाद) से गिरफ्तार कर लिया। मृतक मूलतः उत्तर प्रदेश के कासगंज और अब लंबे समय से दिल्ली के सिरसपुर के चंदन विहार में रह रहे थे। बाहरी उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त शोभित डी. सक्सेना ने बताया कि सात जून को पुलिस को रोहिणी के बाबा साहेब अंबेडकर से एक व्यक्ति के घायलावस्था में भर्ती होने की सूचना मिली। अस्पताल की ओर से बताया गया कि सिरसपुर के चंदन पार्क के रहने वाले 35 वर्षीय बब्लू को पेट में चोट को लगी है। घायल बयान देने की स्थिति नहीं पाया गया। उन्होंने बताया कि 10 जून को अस्पताल से बबलू की मृत्यु होने की सूचना मिली। इसके बाद मृतक के चचेरे भाई वीरेश ने पुलिस को बताया कि छह जून रात करीब 8:30 बजे बबलू ने उन्हें बताया कि सिरसपुर के महादेव धर्म कांटा पर पार्किंग को लेकर हुए झगड़े के बाद कैंटर के ड्राइवर ने उस (बब्लू) पर हमला किया। हमले के दौरान आरोपी ने बबलू को घूंसे और लात मारी, जिससे उसके पेट में गंभीर चोटें आईं। उपचार के दौरान उसकी हालत बिगड़ गई, इमरजेंसी सर्जरी की जरूरत पड़ी।

370 बिरयानी कॉन्ट्रोवर्सी में प्रणित मोरे की माफी पर कुणाल कामरा ने कसा तंज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। कॉमेडियन प्रणित मोरे के शो में 370 रुपये की बिरयानी वाली टिप्पणी पर हुए विवाद के बीच, कॉमेडियन कुणाल कामरा ने मोरे की माफी पर तंज कसा है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब प्रणित के शो में हिमांशु जांगरा ने कहा कि वह एक महिला के साथ डेट पर गए थे, उन्होंने चिकन बिरयानी की एक प्लेट के लिए 370 रुपये चुकाए थे और इसलिए उन्हें अपने निवेश का 'रिटर्न' मिलना चाहिए था।

प्रणित मोरे ने मांगी माफी

इस टिप्पणी पर सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रिया हुई; शो के दौरान हंसने और जांगड़ा को बोलने का मंच देने के कारण मोरे की भी आलोचना हुई। इस प्रतिक्रिया के बाद, मोर ने एक वीडियो बयान के जरिए दूसरी बार माफी मांगी और एक व्यक्ति के तौर पर खुद को बेहतर बनाने के लिए एक और मौका मांगा।

कुणाल कामरा ने कसा तंज

माफी पर प्रतिक्रिया देते हुए कामरा ने ङ्ग पर लिखा, 'कॉमेडियन को इन चीजों का सहारा लेना बंद कर देना चाहिए: 1. कहानी सुनाना, 2. क्राउड वर्क, 3. कड़ी मेहनत, 4. बैंक बैलेंस, 5. माता-पिता'। एक अलग पोस्ट में कामरा ने यह भी ट्वीट किया, 'प्रणित मोरे के सामने हर्ष गुजराल बराक ओबामा जैसे लगते हैं'।

गुरुग्राम स्टैंड-अप शो विवाद के बारे में

गुरुग्राम में प्रणित मोरे के स्टैंड-अप शो का एक क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इस क्लिप में वे दर्शकों में शामिल हिमांशु जांगड़ा से बात कर रहे थे, जो अपनी एक 'डेट' का अनुभव बता रहे थे। क्लिप में जांगड़ा ने कहा कि डेट के दौरान चिकन बिरयानी की एक प्लेट पर 370 खर्च करने के बाद, उन्हें उस महिला से बदले में कुछ उम्मीद थी। उन्होंने कहा, 'मैंने कहा कि 370 लगे हैं तो उसे वसूल तो करूंगा ही'। आलोचना के बाद, प्रणित और हिमांशु ने 370 रुपये की बिरयानी वाले विवाद पर अलग-अलग वीडियो बयानों में माफी मांगी।